एजेंसी देना हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक

जनसेवा समाचार

MPHIN/2013/53952

web:www.jansewasamachar.com

आवश्यक्ता हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-21 | अंक-76 | प्रात :कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, सोमवार 30 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

पीएम मोदी का त्रिशूर में रोड शो: पलक्कड़ में बोले- एलडीएफ-यूडीएफ दोनों भ्रष्टाचारी, इन्हें भाजपा से डर

केरल स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों में फंसा

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार से केरल में भाजपा के चुनाव प्रचार की शुरुआत की है। पलक्कड़ में रैली के बाद पीएम त्रिशूर पहुंचे हैं। यहां उनका रोड शो 34 मिनट तक चला। सड़क के दोनों और लोगों की भीड़ मौजूद रही। इससे पहले पलक्कड़ में रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा था कि दशकों से केरल मतलबी पॉलिटिक्स के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। एक तरफ एलडीएफ, दूसरी तरफ यूडीएफ; एक तरफ कम्युनिस्ट, दूसरी कांग्रेस। एक करप्ट, दूसरा महा-करप्ट। एक कम्युनल, दूसरा महा-कम्युनल। एलडीएफ और यूडीएफ की सारी पॉलिसी सिर्फ वोट-बैंक पॉलिटिक्स के लिए हैं। पीएम ने कहा कि इन भ्रष्टाचारी पार्टियों को बीजेपी से डर लगता है। अगर हम सत्ता में आ गए तो इनके सारे काले कारनामों की पोल खुल जाएगी।

केरल बदलाव का संदेश दे रहा है

केरल के पलक्कड़ में पीएम मोदी ने कहा, इस बार केरल में अलग माहौल है। केरल बदलाव का संदेश दे रहा है। पीएम ने कहा कि एनडीए की बढ़ती लोकप्रियता, बीजेपी पर लोगों का बढ़ता भरोसा, आज आपका जोश और सपोर्ट, इतनी बड़ी संख्या में आपकी मौजूदगी। पलक्कड़, यह सब दिखाता है कि केरल का मूड एक आंदोलन बन गया है। अब केरल के युवा बीजेपी और एनडीए पर भरोसा करते हैं। अब केरल की महिलाएं बीजेपी और एनडीए को पसंद करती हैं।

मोदी बोले- आजकल बीजेपी को बी टीम बनाने का नया प्रोपेगैंडा

आजकल, कम्युनिस्ट और कांग्रेस दोनों ने नए प्रोपेगैंडा कैंपेन शुरू किए हैं। कम्युनिस्ट दावा करते हैं कि कांग्रेस बीजेपी की बी टीम है, जबकि कांग्रेस कम्युनिस्टों पर बीजेपी की बी टीम होने का आरोप लगाती है। इस बातचीत से पता चलता है कि एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ने ही यह मान लिया है कि केरल में बीजेपी ही एकमात्र एकजुट टीम है।

रामसर साइट सिरपुर में 62.72 करोड़ रूपये लागत से निर्मित एसटीपी प्लांट का लोकार्पण

माँ नर्मदा के आशीर्वाद से प्रदेश में बह रही है विकास की नई धारा: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां नर्मदा प्रदेश की जीवन रेखा है और उनके आशीर्वाद से मध्यप्रदेश में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भी होलकर साम्राज्य ने मां नर्मदा के आशीर्वाद से कठिन परिस्थितियों में सनातन संस्कृति को सशक्त बनाए रखा और देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर घाट, धर्मशालाएं एवं अन्नक्षेत्र विकसित किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नर्मदा परियोजनाओं को नई गति मिली है।

मां नर्मदा जल के चतुर्थ चरण का किया भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान में इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार 912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। यह अभियान प्रदेश के सभी 55 जिलों में प्रभावी रूप से संचालित हुआ। प्रदेश में अब जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत लगभग पौने तीन लाख कुएं, बावड़ी, तालाब एवं नहरों का निर्माण एवं जल संरचनाओं पुनर्जीवित किया जाएगा। यह अभियान गुड़ी पड़वा से प्रारंभ हो गया है, जो गंगा दशमी तक जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने संकल्प से समाधान अभियान के लाभार्थियों को किया हितलाभ वितरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत 1356 करोड रुपए के पेयजल आपूर्ति संबंधी कार्यों का भूमि पूजन किया। इन कार्यों में पैकेज-एक के अंतर्गत 1650 एमएलडी इंटेक, 400 एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट, पंपिंग स्टेशन एवं आधुनिक जल इंफ्रास्ट्रक्चर, पैकेज-2 के अंतर्गत 39 किलोमीटर ग्रेविटी पाइपलाइन, 2870 मीटर लंबी टनल एवं क्लोरिनेशन प्लांट, पैकेज-3 के अंतर्गत 20 नए ओवर हैड टैंक, 29 पुराने टैंकों का उन्नयन, 685 किलोमीटर पाइपलाइन और 1.26 लाख नवीन कनेक्शन तथा पैकेज-4 के अंतर्गत 20 नए ओवर हेड टैंक, 46 पुराने टैंको का उन्नयन, 892 किलोमीटर पाइपलाइन और 1.21 लाख नवीन कनेक्शन देने के कार्य शामिल है। दशहरा मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा विकासात्मक गतिविधियों पर केन्द्रित प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ नर्मदा के पवित्र जल का अर्पण भी किया और उपस्थित साधू-संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

नेपाल सरकार ने छात्र राजनीति पर रोक लगाई

5वीं क्लास तक एग्जाम भी खत्म

काठमांडू. नेपाल में प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने छात्र राजनीति पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इसके साथ ही कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए पारंपरिक परीक्षाएं भी खत्म कर दी गई हैं और स्कूलों-कॉलेजों को अपने विदेशी नाम बदलकर नेपाली में रखने का आदेश दिया गया है। सरकार ने शनिवार रात को जारी आदेश में कहा कि यह सभी फैसले अपने 100 दिन के एक्शन प्लान के तहत लिए हैं, जिसका मकसद शिक्षा को राजनीति से दूर रखना और इसे बेहतर बनाना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब स्कूल और कॉलेजों में किसी भी तरह की राजनीतिक गतिविधि नहीं होगी। सभी राजनीतिक पार्टियों से जुड़े छात्र संगठनों को 60 दिनों के अंदर अपने दफ्तर कॉलेज कैंपस से हटाने होंगे। इनकी जगह सरकार 90 दिनों के भीतर 'स्टूडेंट काउंसिल' या 'वॉयस ऑफ स्टूडेंट्स' जैसे नए प्लेटफॉर्म शुरू करेगी, जो पूरी तरह गैर-राजनीतिक होंगे और सिर्फ छात्रों की समस्याओं पर काम करेंगे।

ईरान वॉर और महंगाई को लेकर पद से हटाने की मांग

अमेरिका में ट्रम्प के खिलाफ 80 लाख लोगों का मार्च

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए 'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की। ट्रम्प के खिलाफ अब तक राष्ट्रीय स्तर पर 3 बार नो किंग्स प्रदर्शन हो चुके हैं। पहला बड़ा प्रदर्शन जून 2025 में आयोजित किया गया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में दूसरा प्रोटेस्ट हुआ। जबकि तीसरा प्रोटेस्ट 28 मार्च यानी कल हुआ।

व्हाइट हाउस बोला- प्रदर्शन से लोगों को फर्क नहीं पड़ता

व्हाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को थेरेपी सेशन बताते हुए कहा कि आम लोगों को इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं ट्रम्प का कहना है कि उनके फैसले देश को मजबूत बनाने के लिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे राजा नहीं हैं और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप गलत हैं। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी ट्रम्प के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली है। पेरिस, लंदन और लिस्बन जैसे शहरों में भी लोगों ने सड़कों पर उतरकर ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शन किया और उन्हें पद से हटाने की मांग की। ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका ने बड़े पैमाने पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इसे अमेरिकी हथियारों के जखीरे का अहम हथियार माना जाता है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक चार हफ्तों में 850 से ज्यादा मिसाइलें दागी गईं। अनुमान है कि अमेरिकी नौसेना के पास लगभग 4,000 टॉमहॉक मिसाइलें थीं।

ड्रोन से निगरानी हुई

वाराणसी की दालमंडी में 30 मकान तोड़े गए

वाराणसी। वाराणसी की दालमंडी में रविवार को 30 मकानों को तोड़ा गया। मजदूरों ने छेनी-हथौड़ी और बुलडोजर से मकानों को ढहाया। सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चली प्रशासन की कार्रवाई में 150 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहे। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर ड्रोन कैमरों से निगरानी की। प्रशासन के मुताबिक, तोड़े गए सभी मकानों की रजिस्ट्री करवा ली गई है। हिस्सेदारों के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए गए हैं। ईद को लेकर कार्रवाई रोकी गई थी। इससे पहले भी 22 जर्जर मकान तोड़े जा चुके हैं। दरअसल, दालमंडी गली को मॉडल सड़क के रूप में विकसित किया जाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 51वें काशी दौरे पर इसका शिलान्यास किया था। इसके लिए राज्य सरकार की तरफ से 215.88 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। 186 घर और दुकान मालिकों को 191 करोड़ रुपए मुआवजे के रूप में दिए जाएंगे।

'मिले सुर मेरा तुम्हारा' – सुरों से सजी एक अविस्मरणीय संगीत संध्या

इंदौर के कला रसिकों ने देर रात तक महफ़िल का उठाया भरपूर आनंद

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी एवं देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में आयोजित 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' संगीत संध्या ने शहर के सांस्कृतिक परिवेश को सुरों की मधुरता से सराबोर कर दिया। मध्य प्रदेश प्रेस क्लब एवं केसरी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 28 मार्च को जाल सभागृह में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम ने न केवल संगीत प्रेमियों को आनंदित किया, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक समरसता का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। 70 के दशक से लेकर वर्तमान समय तक के लोकप्रिय गीतों, तरानों और देशभक्ति से ओतप्रोत नगमों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कई प्रस्तुतियों पर दर्शक स्वयं को थिरकने से रोक नहीं पाए, जिससे पूरी संध्या उत्सवमय बन गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मां बगलामुखी धाम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद जी महाराज उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 'संगीत मन को सुकून और शांति प्रदान करता है, यह आत्मिक संतुलन का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है।'

कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी ने की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर सांस्कृतिक चेतना को जीवित रखते हैं।

विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश हिंदुस्तानी ने

अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'संगीत के सुरों में अपार शक्ति होती है, यह युद्ध जैसी परिस्थितियों को भी शांत कर सकता है।' वहीं दैनिक दोपहर के प्रधान संपादक नवनीत शुक्ला ने भी आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

कार्यक्रम की सूत्रधार एवं केसरी फाउंडेशन की अध्यक्ष तथा मध्य प्रदेश प्रेस क्लब की सचिव श्रीमती रोमा मल्होत्रा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य हर आयु वर्ग की प्रतिभाओं को एक मंच पर लाकर उन्हें अभिव्यक्ति का अवसर देना है। उन्होंने जानकारी दी कि इस संगीत संध्या में 5 वर्ष से लेकर 80 वर्ष तक के कलाकारों ने गायन एवं वाद्य यंत्रों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर दैनिक हेलो हिंदुस्तान के प्रधान संपादक प्रवीण शर्मा, लोकस्वामी के संपादक योगेंद्र जोशी, अखिल भारतीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश महासचिव मनीष सिसोदिया, दैनिक चैतन्य लोक के प्रधान संपादक दीपक शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. कमल हेतावल एवं के.सी. दुबे, वृंदा गौंड सुधा सुखयानी,विनिता मौर्या जी,विमला मनरागे,निशा यादव,रेणु जयसिघांनी, गोपाल कोडवानी, रवि गुप्ता,डॉली खुराना,सुषमा पटेल,डॉ दीप्ति सिंह हाड़ा, विजेंद्र सिंह ठाकुर पम्मी शाह,धर्मेश जागीरदार,सोनाली सोनी,नम्रता सिंह जी,एवं अतिथि गायक कलाकार गुंजन चौरसिया एवं प्रदीप एम शर्मा बालीवुड सिंगर एवं फाउंडेशन के सदस्य रोहन मल्होत्रा,संजीव कुमार मल्होत्रा,मनोज नजांन,लतिका नजांन,मजुंशा नाचण,बाबा नाचण,शालिनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की विशिष्टता यह रही कि इंदौर ट्रैफिक पुलिस की महिला अधिकारियों ने अपने मधुर सुरों के माध्यम से जनता को यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया, जो कला और सामाजिक जागरूकता का अद्भुत संगम था।

संगीत संध्या में दिव्यांग प्रतिभागी आयुष तिवारी की भावपूर्ण प्रस्तुति ने सभी को भाव-विभोर कर दिया, वहीं हारमोनियम पर बाल कलाकार सार्थक की नन्हीं उंगलियों ने ऐसा जादू बिखेरा कि पूरा सभागार करतल ध्वनि से गूंज उठा। सैक्सोफोन पर आरोह बारगल की प्रस्तुति ने भी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस आयोजन का एक अत्यंत संवेदनशील और प्रेरणादायक पहलू यह रहा कि समाज के उस वर्ग को भी सम्मानित किया गया,

जो सामान्यत: अनदेखा रह जाता है—घरों में कार्य करने वाली सेविकाओं को मंच पर सम्मान देकर आयोजकों ने सामाजिक समरसता और सम्मान की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्वेता फड़के ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन केसरी फाउंडेशन के संजय मिश्रा ने व्यक्त किया।

समग्रत: 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' केवल एक संगीत संध्या नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों, आयु समूहों और भावनाओं को एक सूत्र में पिरोने वाला एक सशक्त सांस्कृतिक प्रयास बनकर उभरा, जिसने इंदौर की सांस्कृतिक धरोहर को और अधिक समृद्ध किया।

उत्तरवाहिनी परिक्रमा में निकला नर्मदा प्रेमियों का जत्था यात्रा में दिखा श्रृद्धा आस्था विश्वास का अनूठा संगम

मण्डला (नि.प्र.)

शनिवार की सुबह किला वार्ड स्थित व्यास नारायण मंदिर में भगवान भोलेनाथ का विधि विधान से पूजन अर्चन करते हुए दो दिवसीय उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा का आगाज हुआ। हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी नर्मदा तट पहुंचे और पूजन अर्चन करते हुए यहां से दो दिवसीय उत्तर वाहिनी नर्मदा परिक्रमा के लिए रवाना हुए। यहां पर नर्मदा परिक्रमा करने अन्य प्रांतो से भी धर्मप्रेमी पहुंचे लगभग 2 हजार नर्मदा प्रेमियों ने उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा आरंभ की है।

नर्मदा नगरी मंडला में उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा विगत पांच वर्षो से आयोजित की जा रही है। महिष्मति मां नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति के तत्वाधान में उत्तर वाहिनी नर्मदा परिक्रमा 28 मार्च को प्रात: नगर के व्यास नारायण मंदिर में संकल्प लेकर प्रारंभ की गई। दो दिवसीय इस नर्मदा परिक्रमा यात्रा में शामिल श्रृद्धालुओं ने किलाघाट से मां नर्मदा को नाव से पार करके दूसरे तट पर पुरवा स्थित मां सरस्वती प्रस्त्रवण तीर्थ दक्षिण तट पहुंचे। महाराजपुर संगम से होते हुए घाघी के लिए नर्मदा परिक्रमा पदयात्रा की ।जनप्रतिनिधियों स्थानीय नागरिकों ने उत्तर वाहिनी पवित्र नर्मदा परिक्रमा यात्रियों का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत, अभिवादन करते हुए हर हर नर्मदे के जय घोष किए। उत्तर वाहिनी मां नर्मदा की पवित्र परिक्रमा यात्रा के प्रति लोगों की श्रृद्धा आस्था विश्वास और आध्यात्मिक भाव का ये अदभुत समागम है। पैदल परिक्रमा में वृद्धजन मातृ शक्तियों, युवा बड़ी संख्या में शामिल हैं। ये मां नर्मदा के प्रति अटूट श्रद्धा का भाव मन में समेटे हुए है। घाघी में देर शाम मां नर्मदा की महाआरती की गई। जिसमें धर्मप्रेमी के साथ स्थानीय ग्रामीण भी सहभागी हुए यहां पर संगीतमय महाआरती कराई गई। परिक्रमावासियों ने बताया कि उत्तरवाहिनी परिक्रमा का जगह-जगह स्वागत किया गया। भक्तों द्वारा सभी के लिए व्यवस्थाएं की। आयोजन समिति ने यात्रा के संदर्भ में बताया कि मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक से खंबात की खाड़ी तक मां नर्मदा का प्रवाह कभी उत्तर और कभी दक्षिण दिशा की ओर है।

अमरकंटक से खंबात की खाड़ी तक के पूरे नर्मदा क्षेत्र में तीन स्थान ऐसे हैं। जहां मां नर्मदा उत्तरवाहिनी हुई हैं। इनमें से एक गुजरात में तिलकवाड़ा, दूसरा मंडला और तीसरा ओंकारेश्वर के पास का स्थान है। गुजरात के तिलकवाड़ा में उत्तरवाहिनी परिक्रमा वर्षो से की जा रही है। उन्होंने बताया कि मंडला में मां नर्मदा के दक्षिण तट में संगम घाट से घाघी तक या उत्तर तट के अनुसार किले घाट से बबैहा तक करीब 21 किमी तक का प्रवाह उत्तर दिशा की ओर है और चैत्र मास में की गई। उत्तरवाहिनी नर्मदा की परिक्रमा को शास्त्रों में सम्पूर्ण नर्मदा की परिक्रमा के बराबर पुण्यदायक बताया गया है।

इसी को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा विगत पांच वर्ष से उत्तरवाहिनी परिक्रमा का आयोजन किया जा रहा है। इस बार आयोजित नर्मदा परिक्रमा में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात राजस्थान, दिल्ली, मुम्बई सहित प्रदेश भर से करीब 2000 लोग शामिल हुए हैं। बताया गया कि शनिवार प्रात: प्रारंभ हुई यात्रा शाम को घाघा-घाघी पहुंची जहां रात्रि विश्राम कर आज सुबह नर्मदा पार कर बबैहा गरम पानी कुण्ड पहुंची। जहां से ग्वारी, फूलसागर, तिंदनी, गाजीपुर, कटरा, गौंझी, देवदरा होते हुये व्यास नारायण मंदिर पहुंचकर शाम को यात्रा का समापन होगा। जहां यात्रा के समापन पर प्रसादी का वितरण किया जाएगा। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर कांसकार, आनंद सोनी ने बताया कि वे हर साल मां नर्मदा की परिक्रमा करते है। मां नर्मदा की असीम कृपा से लगातार वे अपने जीवन में आगे बढ़ते ही चले गए मन में मां नर्मदा के प्रति सच्ची श्रृद्धा और विश्वास है तो आपकों जीवन में आगे बढ़ने से कोई नही रोक सकता है।

मां नर्मदा के प्रति ऐसी आस्था और विश्वास है कि लोग प्रदेश के अनेक जिले से उत्तरवाहिनी परिक्रमा करने के लिए मण्डला आये हुए है। नर्मदा भक्तों में एक गजब का उत्साह देखा गया। उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा में हर एक वर्ग शामिल है। नमर्दा परिक्रमा करने के दौरान लोगों के चेहरों में एक अलग चमक भी दिखाई दे रही थी इस दौरान अनेक भक्तों ने परिक्रमावासियों के लिए स्वल्पाहार एवं चाय पानी की व्यवस्था भी कर रखी थी।

खैरमाई मंदिर से निकाले ज्वारे

मण्डला (नि.प्र.)

सार्वजनिक खेरमाई मंदिर भुआ में माता के दरबार में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष ज्वारे कलश शीतला खप्पर की स्थापना की गई थी। 19 मार्च चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि में सनातन हिन्दू नववर्ष 2083 का प्रारंभ होता है और पावन नवरात्रि पर्व का प्रथम दिन भी होता है। इस शुभ अवसर में समस्त नगरवासियों द्वारा खेरमाई मंदिर भुआ में जवारे कलश की स्थापना हुई प्रतिदिन प्रात: सायं पूजन आरती के साथ रात्रि में सभी नगरवासी जस गायन करते रहे। 26 मार्च को खेरमाई समिति द्वारा जगत माता को अष्टमी भेंट की गई एवं 27 मार्च को कन्या पूजन एवं कन्या भोज संपन्न हुआ और जवारे कलश विसर्जन हेतु यात्रा निकाली गई। जिसमें माताएं एवं कन्याएं अपने सिर पर कलश शीतला खप्पर रखकर जलाशय में विसर्जन करने पहुंची और प्रसाद भण्डारा वितरण कार्यक्रम किया गया।

एक लाख का सौंपा चैक

मण्डला (नि.प्र.)

सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए मनेरी स्थित प्राइमो पिक एन. पैक प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री द्वारा जनहित में एक सराहनीय कदम उठाया गया है। फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से कलेक्टर को एक लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। यह राशि रेडक्रॉस सोसाइटी की सहायता के लिए दी गई है ताकि जिले में स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं को और सुदृढ़ बनाया जा सके। उल्लेखनीय है कि प्राइमो पिक एन. पैक प्रा.लि. द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत यह पहली पहल नहीं है इससे पूर्व भी कंपनी द्वारा रेडक्रॉस सोसाइटी मण्डला को आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। कलेक्टर ने फैक्ट्री प्रबंधन के इस सहयोग की सराहना की है।

कलेक्टर की संवेदनशीलता से मिली पुस्तकें

मण्डला (नि.प्र.)

मानवता और संवेदनशील प्रशासन का एक प्रेरणादायक उदाहरण जिले में देखने को मिला, जब एक युवा की छोटी-सी समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने तत्परता से समाधान सुनिश्चित किया। अंजनिया तहसील के ग्राम मांद निवासी युवक अंकित श्रीवास ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक पुस्तकों के अभाव की समस्या मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष रखी थी। इस पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने तुरंत संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि युवक को आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाए ताकि उसकी तैयारी प्रभावित न हो। कलेक्टर के निर्देशों का पालन करते हुए गुरुवार को शिक्षा विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम स्वयं युवक के घर पहुंची और उसे प्रतियोगी परीक्षाओं की उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध कराईं। इस दल में तहसीलदार अंजनिया अजय श्रीवास्तव, सहायक संचालक शिक्षा विभाग एल.एस. मसराम तथा एपीसी मुकेश पांडेय शामिल रहे। यह पहल न केवल प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि शासन आमजन की छोटी-छोटी समस्याओं के प्रति भी सजग और प्रतिबद्ध है। ऐसे प्रयास युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और उनके सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तुलसी साहित्य कार्यकारिणी गठित

मण्डला (नि.प्र.) विगत दिनों प्रदेश की साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था तुलसी सहायता अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मोहन तिवारी आनंद द्वारा जिले के शिक्षाविद, चिंतक, विचारक अरविंद कुमार शुक्ल को संस्था की जिला इकाई का अध्यक्ष नियुक्त कर कार्यकारिणी गठित करने निर्देशित किया गया तदनुसार जिले के साहित्यकारों से चर्चा कर तुलसी सहायता अकादमी की मंडला शाखा की निम्नानुसार कार्यकारिणी गठित की गई।

निर्माणाधीन पीएचसी का निरीक्षण

मण्डला (नि.प्र.)

जिले में स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के तहत निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंजनिया का कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रस्तावित 30 बिस्तरीय अस्पताल की संरचना एवं सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी न रखने के निर्देश दिए।

सांदीपनी विद्यालय निरीक्षण

मण्डला (नि.प्र.) अंजनिया में निर्माणाधीन सांदीपनी विद्यालय का कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को अवगत कराया गया कि विद्यालय परिसर लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। प्रस्तावित भवन में ग्राउंड, प्रथम एवं द्वितीय तल सहित कुल लगभग 9503 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र रहेगा। इसमें ग्राउंड फ्लोर का क्षेत्रफल लगभग 3331 वर्गमीटर, प्रथम तल 2679 वर्गमीटर तथा द्वितीय तल 2601 वर्गमीटर निर्धारित है। इसके अतिरिक्त एक बहुउद्देशीय हॉल भी निर्मित किया जा रहा है।

गायब मिले कर्मचारी

मण्डला (नि.प्र.) प्रशासनिक कार्यों में अनुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपर कलेक्टर द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित विभिन्न शासकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई शाखाओं में कर्मचारियों की अनुपस्थिति पाए जाने पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कार्यवाहक को मिला प्रशस्ति

मण्डला (नि.प्र.) कलेक्टर ने फरवरी माह के सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में कार्यवाहक निरीक्षक गृह पुलिस विभाग श्रीमती अनीता कुड़ापे को 94.78 प्रतिशत वेटेज स्कोर के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिकायत के निराकरण में संतुष्टि स्तर को बेहतर रखें।

सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

मण्डला (नि.प्र.) संचालक संस्कृति संचालनालय भोपाल के निर्देश के अनुक्रम में राष्ट्रगीत वंदे मातरम-150 वर्ष अभियान के अंतर्गत 30 मार्च तक विशेष चरण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कलेक्टर ने विशेष चरण की गतिविधियों का जिला स्तर में सफल आयोजन कराने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना को नोडल अधिकारी एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

होमगार्ड जवानों का स्वास्थ्य परीक्षण

मण्डला (नि.प्र.) डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट एवं जिला आयुष अधिकारी के मार्गदर्शन में आयुष विभाग द्वारा होमगार्ड जवानों के लिये स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन होमगार्ड लाइन में किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि आशीष खरे डिविजनल कमांडेंट जबलपुर द्वारा धन्वंतरि पूजन से किया गया। इस दौरान शिविर में 80 लाभार्थी जिसमें 12 महिला एवं 68 पुरूष ने लाभ प्राप्त किया। सभी का नि:शुल्क चिकित्सा जांच व परामर्श एवं औषधि वितरण किया गया। साथ ही हितकर आहार विहार योग आसन व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की भी सलाह दी गयी। शिविर में प्रभात तिवारी प्लाटून कमांडर, हेमराज परस्ते प्लाटून कमांडर, सुरेश बंसोड़ एचआई, कोमल प्रसाद हवलदार, डॉ ममता धुर्वे आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी नोडल अधिकारी आदि समस्त स्टॉफ ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

अधिकारी ने किया निरीक्षण

विदिशा (नि.प्र.) जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए प्रशासनिक सक्रियता बढ़ गई है। इसी क्रम में आज जिला परियोजना अधिकारी उमेश सिंगरौरे द्वारा परियोजना क्रमांक-2 निवास क्षेत्र का सघन भ्रमण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला परियोजना अधिकारी ने जल गंगा संवर्धन अभियान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गिरते भू-जल स्तर को रोकना और पारंपरिक जल स्त्रोतों को सहेजना है।

सरदार पटेल जयंती पर रैली

मण्डला (नि.प्र.) पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में जिला में साइकिल रैली साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया यह आयोजन जिला मुख्यालय के साथ साथ थाना क्षेत्रों में भी संचालित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति एकता अनुशासन एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना रहा पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा द्वारा पुलिस लाइन में साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर शहर के मुख्य मार्गों में भ्रमण हेतु रवाना किया गया।

छात्राओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

मण्डला (नि.प्र.)

शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम बिनैका में किया जा रहा है। शिविर के दूसरे और तीसरे दिन छात्र-छात्राओं ने न केवल श्रमदान किया बल्कि सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया। स्वयंसेवकों ने ग्राम बिनैका की माध्यमिक शाला और आंगनवाड़ी परिसर की सघन सफाई की। इस दौरान प्लास्टिक और कागज के कचरे को एकत्रित कर डस्टबिन में डाला गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के पूजन के साथ किया गया। शिविर के दौरान ग्राम विकास संयोजक नैनसुख द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवकों की दिनचर्या, जीवन शैली, मानसिक, बौद्धिक, शारीरिक विकास की दृष्टि से छात्र-छात्राओं को योगासन, खेल, पीटी का अभ्यास कराया गया एवं देशभक्ति गीत हम युवा हैं हम करें मुश्किलों का सामना का गायन कराया गया।

ऊर्जा विभाग प्रदेश में प्रथम स्थान

मण्डला (नि.प्र.)

ऊर्जा विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। माह अक्टूबर 2024 से फरवरी 2026 तक लगातार सत्रह महीनों में विभाग ने उपभोक्ताओं की वोल्टेज संबंधी मीटर संबंधी खंभे एवं तार से जुड़ी शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण किया। साथ ही त्रुटिपूर्ण विद्युत बिलों में सुधार कर आवश्यक अनुमोदन प्रदान करते हुए शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया गया। माह फरवरी 2026 में ऊर्जा विभाग मंडला ने सी.एम. हेल्पलाईन में 99.98 प्रतिशत स्कोर प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा अति. मुख्य अभियंता संचा-संधा मंडला मो. अयूब खान को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

चौगान जवारे विसर्जन में पहुंचे श्रद्धालु

मण्डला (नि.प्र.)

जिले के रामनगर स्थित चौगान की मढ़िया में इस वर्ष भी आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। नवरात्रि के नौ दिनों तक चली श्रद्धा और भक्ति के बाद शनिवार को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ जवारे का विसर्जन किया गया नवदुर्गा की उपासना के इस पावन अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु सफेद वस्त्र धारण कर सिर पर जवारे लेकर करीब चार किलोमीटर तक नंगे पैर पैदल यात्रा करते हुए नर्मदा नदी तट पहुंचे। पूरी यात्रा के दौरान भक्तिमय गीतों ढोल-नगाड़ों और जयकारों से वातावरण गूंजता रहा नर्मदा तट पर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और फिर जवारे का विसर्जन किया। इस दौरान पारंपरिक आदिवासी संस्कृति और रीति-रिवाजों की झलक भी स्पष्ट रूप से देखने को मिली जो इस आयोजन को विशेष बनाती है बताया जाता है कि चौगान की मढ़िया जनजाति समाज के लिए अत्यंत पवित्र तीर्थ स्थल है यहां न केवल मध्य प्रदेश बल्कि देश के विभिन्न कोनों से श्रद्धालु अपनी आस्था लेकर पहुंचते हैं।

टीईटी में टीडब्ल्यूटी पहुंचा कोर्ट

मण्डला (नि.प्र.) प्रदेश के लगभग दो लाख शिक्षकों में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर उत्पन्न गंभीर स्थिति के मद्देनजर मप्र ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने अपने पक्ष की प्रभावी पैरवी हेतु पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश तथा जबलपुर हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रविशंकर झा को अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया है। संगठन के नाम से सुप्रीम कोर्ट में लगाई जाने वाली इस याचिका की पैरवी अधिवक्ता श्री झा करेंगे। ऐसे में जिले सहित प्रदेश के टीईटी परीक्षा से प्रभावित शिक्षकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद अब बंधी है संगठन के प्रदेश प्रवक्ता संजीव सोनी ने बताया कि प्रांतीय अध्यक्ष डीके सिंगौर के नेतृत्व में 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में दो दिनों तक विभिन्न वरिष्ठ अधिवक्ताओं से चर्चा करने के उपरांत यह निर्णय लिया।

पिता ने कुल्हाड़ी से काटकर की पुत्र की हत्या

मण्डला (नि.प्र.) रूपझर पुलिस ने गांव केसलई से एक हृदयविदारक घटना में रतन सिंह उइके 26 वर्ष को अपने ही मासूम बेटे की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिए। आरोपी रतनसिंह उइके को बैहर की अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, 27 मार्च को सुबह रतन सिंह अपनी पत्नी सुनीता के साथ महुआ चुनने के लिए जंगल गया था। दोपहर में ही दोनों पति-पत्नी घर आए थे 4 बजे करीब रतन सिंह की पत्नी सुनीता बोदा लेने के लिए खेत तरफ गई थी। रतन सिंह घर में था उसे समय उसका बेटा वीरेंद्र कुमार घर आंगन में नहा रहा था तभी रतन सिंह को अचानक किसी बात को लेकर गुस्सा आ गया और उसने गुस्से में अपने बेटे वीरेंद्र कुमार पर कुल्हाड़ी से हमला कर

दिया कुल्हाड़ी का वार वीरेंद्र कुमार के गर्दन और कनपटी में लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान उसकी पत्नी सुनीता घर पहुंची और खबर लगते ही मोहल्ले वालों की मौके पर भी लग गई थी। इस घटना की सूचना डोरा पुलिस चौकी के माध्यम से रूपझर पुलिस थाना में दी गई थी। सूचना मिलते ही रूपझर थाना प्रभारी दीपक त्रिपाठी अपने स्टाफ के साथ ग्राम केसलई पहुंच गए और उन्होंने मौके की कार्यवाही की। इस मामले में रतन सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया था। 28 मार्च को मृतक बालक वीरेंद्र कुमार का शव पोस्टमार्टम जिला अस्पताल बालाघाट में करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। गिरफ्तार रतन सिंह को बैहर की अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है। रूपझर पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

राज्यपाल दौरे को लेकर निरीक्षण

मण्डला (नि.प्र.) राज्यपाल मंगुभाई पटेल के प्रस्तावित दौरे को लेकर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने बिछिया विकासखंड के ग्राम पंचायत कन्हारीकला पहुंचकर प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं, मंच निर्माण, आवागमन मार्ग, ग्रीन रूम, सेफ हाउस, सुरक्षा इंतजाम का बारीकी से जायजा लिया। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएं तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता

मण्डला (नि.प्र.) भारत सरकार सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय शाखा एमएसएमई विकास कार्यालय रीवा एवं मप्र शासन कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग जिला पंचायत मण्डला के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शासकीय आईटीआई रसैयादोना में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन कर डॉ. पीकल जैन एवं सुजीत घोष सहायक निदेशक एमएसएमई द्वारा किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. पीकल जैन प्रोफेसर ज्ञानगंगा टेकोलॉजी कॉलेज जबलपुर, सुजीत घोष एमएसएमई भारत सरकार विकास कार्यालय रीवा, बलराम यादव महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मण्डला, आरएस वरकड़े प्रभारी अधिकारी आईटीआई मण्डला, एसके डेकाटे जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जिला पंचायत मण्डला, अरविन्द्र कुमार पाण्डे एमएसएमई विकास कार्यालय रीवा एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शुद्ध प्याऊ का हुआ शुभारंभ

मण्डला (नि.प्र.) श्रीराम नवमी के पवन पर्व पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक राजेंद्र कुमार चौधरी एवं ब्लॉक समन्वयक सुनील कुमार साहू के मार्गदर्शन में जल संचय अभियान के तहत जल मंदिर शुद्ध प्याऊ जल शक्ति से नव शक्ति जिसमें मुख्य रूप से आम जन एवं पक्षियों के लिए प्याऊ घर की शुरुआत नवांकुर संस्था मां सरस्वती ग्राम विकास सेवा समिति चांदगांव सेक्टर क्रमांक 5 विकासखंड मवई एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सभी सदस्य द्वारा सार्वजनिक प्याऊ घर स्थापना किया गया जिसमें संस्था प्रमुख रतन पड़वार त्रिलोक मरावी, हलकारी दास पड़वार हरेसिंह टेकाम, राकेश हेमंत एवं अन्य ग्रामीण जनों की उपस्थिति रही।

रेलवे पूजा पंडाल में रामनवमी का चार दिवसीय आयोजन

शोभायात्रा में नजर आया आस्था का सैलाब

मण्डला (नि.प्र.) रेलवे पूजा पंडाल में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जन्म उत्सव का चार दिवसीय आयोजन जारी है। 27 मार्च को मूर्ति स्थापना के साथ कल श्रीराम सीता विवाह का आयोजन किया गया। आज भरत यात्रा, हनुमान पूजा के बाद श्रीराम का राज्याभिषेक किया जायेगा। आगामी 30 मार्च को हवन, महाभोग वितरण के बाद शोभायात्रा निकाली जाएगी। जाहिर है कि श्रीराम उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष यह आयोजन किया जाता है। जिसमे विशेषकर रेलवे से जुड़े राम भक्त अपनी श्रद्धा भावना के साथ यह आयोजन

करते है। जिसमे नगर के वार्ड 13, 5 और वार्ड 6 के भक्तो की विशेष सहभागिता रहती है।

सड़को में नजर आया आस्था का सैलाब

वही कल श्रीराम नवमी के पावन पर्व पर नगर में निकाली गई शोभायात्रा में आस्था का सैलाब नजर आया। इस यात्रा में लव जिहाद, भगवान शंकर का आदमकद रूप के साथ बाल कलाकारों की श्रीराम दरबार के रूप में सजी आकृषक झांकी में भक्ति का अतिरेक नजर आया। देर शाम निकाली गई इस शोभा यात्रा में हजारों भक्तो और श्रद्धालुओं ने शिरकत की। जय माता दी चौक से आरम्भ हुई यह यात्रा मुख्य मार्ग बांसुरी वादन चौक, हरेमाधव गेट, पुरानी बस्ती, कृष्ण मंदिर चौक से वार्ड 2 सिविल लाइन होकर पुन: आरम्भ स्थल में आकर समाप्त हुई। लगभग 4 घण्टे चली इस यात्रा का समापन मध्य रात्रि 12 बजे के बाद हुआ। इस दौरान स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये थे। नगर के हर

महालेखाकार कार्यालय पुल से विक्की फैक्ट्री तक यातायात रहेगा परिवर्तित

नगर संवाददाता, शिवपुरी

सड़क निर्माण के चलते महालेखाकार कार्यालय से विक्की फैक्ट्री तक यातायात को परिवर्तित मार्ग से निकाला जाएगा। सड़क निर्माण के दौरान यदि सम्पूर्ण मार्ग बंद कराने की आश्यकता होती है तो इसकी सूचना पहले जारी कर वैकल्पिक मार्ग का प्लान शीघ्र जारी किया जावेगा। जिससे आने जाने वालों को समस्या का सामना न करना पड़े।

इन मार्गो से निकाला जाएगा यातायात

▸▸विक्की फैक्ट्री से झांसी रोड बस स्टैण्ड की तरफ जाने वाले सवारी वाहन व विद्यालय बसें भारी वाहन विक्की फैक्ट्री से नाका चन्द्रबदनी की ओर जा सकेंगे।

▸▸झांसी रोड बस स्टैण्ड से चलने वाली बसें एवं विक्की फैक्ट्री की तरफ से जाने वाले ट्रक, टैक्टर, सवारी बस, अन्य भारी वाहन नाकाचन्द्रबदनी से होते हुए विवेकानंद नीडम से होते हुए अलापुरा तिराहा से वायपास होते हुए शिवपुरी झांसी और दतिया की ओर जा सकेंगे। छोटे वाहन कार आटो सीधे विक्की फैक्ट्री की तरफ जा सकेंगे।

▸▸दतिया झांसी की तरफ से ग्वालियर की ओर आने वाले वाली सवारी बसें कार ऑटो आदि वाहन सीधे विक्की फैक्ट्री से होते हुए शहर में प्रवेश कर सकेंगे।

▸▸रोडवेज बस स्टैण्ड से शिवपुरी गुना दतिया व झांसी की तरफ जाने वाली बसें हेल्थ सेंटर से बाएं मुड़कर कुलपति निवास से अलकापुरी कलेक्ट्रेट मार्ग से होते हुए अलापुर तिराहा से वायपास पर पहुंचकर सिकरौदा चौराहा से होकर दतिया गुना शिवुपरी झांसी की ओर जा सकेंगी।

▸▸गुना शिवुपरी की ओर से आने वाले सवारी वाहन, विद्यालय बसें, ट्रक व अन्य वाहन विक्की फैक्ट्री चौराहा से होते हुए शहर में प्रवेश कर निकल सकेंगे।

दुकानों में अग्नि सुरक्षा उपकरण जरूर लगाएं : एसडीएम

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिलाधीश के निर्देश पर एसडीएम भितरवार श्री समाधिया ने व्यापारी संघ की बैठक आयोजित की, जिसमें दुकानदारों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

बैठक में तहसीलदार धीरज परिहार सहित दो दर्जन से अधिक व्यापारी उपस्थित रहे। एसडीएम ने दुकानदारों को दुकान पर फायर सेफ्टी उपकरण लगाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि आग से बचाव के उपाय करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे जान-माल का नुकसान रोका जा सके। दुकानों में विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्र लगाना जरूरी है। साथ ही बिजली सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए ओवरलोडेड सॉकेट और

पुरानी वायरिंग से बचने की सलाह दी गई, क्योंकि शॉर्ट सर्किट आग का प्रमुख कारण होता है। उन्होंने दुकानों में आईएसआई प्रमाणित अग्निशामक यंत्र रखने की अपील की। साथ ही बताया कि ग्वालियर व्यापार मेले में तीन दिन तक अग्निशामक यंत्रों के उपयोग और बचाव के उपायों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जहां से व्यापारी इन्हें खरीद भी सकते हैं। एसडीएम ने नगर में सीसीटीवी कैमरे लगाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का आश्वासन भी दिया। बैठक में व्यापारी संघ अध्यक्ष प्रदीप गोयल, संरक्षक सुरजीत यादव, मनोज गौड़, राधेश्याम जैन, बलवीर पवैया, मनोज जैन, विनोद मोदी, दामोदर जैन, अभिनंदन जैन, राहुल अग्रवाल, गजेन्द्र शर्मा, रविंद्र जैन, रवि रजक, जिनेन्द्र जैन, भाग सिंह, देवेंद्र अग्रवाल, जितेंद्र जैन, आला मोदी सहित अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

भोला की हत्या का ईनामी आगरा से किया गिरफ्तार

नगर संवाददाता, शिवपुरी

ताबड़तोड़ गोलियां मारकर भोला सिकरवार की हत्या के ईनामी बदमाश को पुलिस ने आगरा से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए बदमाश से पुलिस ने हत्या के बारे में पूछताछ कर रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विदिता डागर ने बताया कि 2 जून 2025 को हेमराज उर्फ भोला सिकरवार की अजय भदौरिया और उसके साथियों ने ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। उक्त हत्या में शामिल फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस उनके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक आरोपी आगरा में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस आगरा के रायभा रेलवे स्टेशन पहुंची और दबिश देकर पुस्सु उर्फ पुष्पेन्द्र पुत्र गोपेन्द्रसिंह भदौरिया निवासी काशीनरेश की गली को पकड़ लिया। पकड़े गए पुष्पेन्द्र पर दस हजार रुपए का ईनाम घोषित था। पुलिस ने आरोपी से हत्या के बारे में पूछताछ शुरु कर दी है।

लखखी मेले में दंगल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नगर संवाददाता, शिवपुरी

भितरवार अनुविभाग की ग्राम पंचायत रजौआ के गांव प्रेमपुर स्थित प्राचीन एवं प्रसिद्ध काली माता मंदिर पर लखखी मेले का आयोजन किया गया। मेले में सैकड़ों दुकानों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

मेले में दंगल प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ, जिसमें कुसापुर के पहलवान ने 11 हजार रुपए का इनाम जीता।

क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह राठौर ने भी मेले में पहुंचकर काली माता के दर्शन किए एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता की।

सरपंच देवेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंचमहल देवी काली माता

पर भव्य मेले का आयोजन किया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

कार्यक्रम का आयोजन काली माता भक्त नारायण की देखरेख में किया गया। इस दौरान देर रात तक लोकगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने आनंद लिया। मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की।

मेले में सरपंच देवेंद्र सिंह पटेल, शैलेन्द्र सिंह यादव, झाकरी सरपंच, दंगल रेफरी विनोद किरार, सुरेंद्र सिंह, मोहन सिंह, राजेंद्र सिंह, कुवेर सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भितरवार में निषाद राज जयंती पर निकला भव्य चल समारोह

नगर संवाददाता, शिवपुरी

भितरवार में भगवान श्री गुह निषाद राज की जयंती हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

इस अवसर पर भगवान निषाद राज की प्रतिमा को सुसज्जित रथ में विराजित किया गया तथा उनकी नाव (कश्ती) को ट्रैक्टर-ट्रॉली में सजाकर भव्य चल समारोह निकाला गया।

चल समारोह दियादाह घाट से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ वार्ड क्रमांक 5 स्थित राम-जानकी मंदिर पहुंचा, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

कार्यक्रम में मांझी समाज के

ग्वालियर ग्रामीण जिला अध्यक्ष कल्याण सिंह बाथम, नगर अध्यक्ष सुशील बाथम, ब्लॉक अध्यक्ष सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष, बुद्धिजीवी एवं युवा साथी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति एवं सामाजिक एकता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। नगर में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर चल समारोह का स्वागत किया गया।

बाबा जयगुरुदेव संगत की जनजागरण यात्रा कल आएगी

शोभायात्रा के जरिए दिया जाएगा शाकाहार और नशामुक्ति का संदेश

नगर संवाददाता, शिवपुरी

बाबा जयगुरुदेव की जनजागरण यात्रा 29 मार्च को ग्वालियर से प्रारंभ होकर 30 मार्च को भितरवार पहुंचेगी। यह यात्रा बनवार, करहिया और छीमक सहित विभिन्न गांवों में शाकाहार और नशामुक्ति का संदेश देती हुई आगे बढ़ रही है। रविवार शाम लगभग 5 बजे यात्रा नगर में प्रवेश करेगी, यहां संगत द्वारा नगर के प्रमुख मार्गों पर भव्य शोभायात्रा एवं रैली निकाली जाएगी। इस दौरान लोगों को अंडा, मांस, मछली, मुर्गा जैसे मांसाहारी आहार से दूर रहने तथा

नशे से बचने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके बाद संगत जयगुरुदेव की बगिया में रात्रि विश्राम करेगी, जहां सत्संग का अयोजन भी किया जाएगा। अगले दिन संगत करैरा होते हुए शिवपुरी के लिए रवाना होगी।

संक्षिप्त समाचार

छह साल से फरार वारंटी गिरफ्तार

मुरैना। कोतवाली थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिलने पर कार्रवाई करते हुए रुई की मंडी क्षेत्र से आरोपी इंद्रवीर उर्फ बंटी पुत्र मनीराम गुर्जर निवासी मदनबसई थाना नूराबाद को पकड़ा गया। आरोपी वर्ष 2017 के अपराध क्रमांक 975/17 (धारा 457, 380, 511) से जुड़े मामले में करीब छह साल से फरार चल रहा था। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, आरोपी गिरफ्तार

मुरैना। सिहौनियां थाना पुलिस ने अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। जिसके आधार पर रूअरिया कोलू रोड पर चेकिंग लगाई गई। इस दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर जांच की गई। जिसमें अवैध रूप से पत्थर भरा हुआ पाया गया। चालक से वैध दस्तावेज मांगे जाने पर वह प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने मौके से ट्रैक्टर-ट्रॉली (कीमत करीब 2.07 लाख रुपए) जब्त कर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। थाने पर लाकर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303 (2), 317 (5), खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4 (ए), 21 (1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पिकअप की टक्कर से युवक घायल

श्योपुर। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत अमीरपुरा पुलिया के पास पिकअप की टक्कर से युवक घायल हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी अनिल पुत्र रामौतार जाटव उम्र 18 साल निवासी वार्ड क्रमांक पांच गैस एजेंसी रोड श्योपुर ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि गत दिवस रात्रि नौ बजे जब खाना खाकर वह अमीरपुरा की तरफ जा रहा था। तभी पुलिया के पास पीछे से आ रहे पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 07-जीए-6326 के चालक ने अपने वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए फरियादी को टक्कर मार दी। इस हादसे में फरियादी घायल हो गया। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने पिकअप वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सोशल मीडिया पर लाइव आकर युवक ने लगाई फांसी, मौत

आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं, पुलिस कर रही मामले की जांच

नगर संवाददाता, शिवपुरी

म्यूजिक सिस्टम पर 'मैं अधूरा जी रहा हूं' सैड सॉन्ग चलाकर एक युवक ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर पहले दोस्तों को फ्लाइंग किस दी, फिर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। यह घटना शुक्रवार रात शिवपुरी के देहात थाना क्षेत्र की है। शनिवार को इसका वीडियो सामने आया है।

टीआई विकास यादव के अनुसार मृतक का नाम मनोज रजक (22) था। उसके माता का निधन हो चुका है। पिता सिंधिया रजक ने पत्नी की मृत्यु के बाद दूसरी शादी कर ली थी, जिससे उसकी सौतेली मां, दो बहनें और एक भाई हैं। मनोज उनसे अलग किराए के मकान में रहता था।

दोस्त शुभम रजक ने बताया कि मनोज उसके साथ प्लंबर का काम करता था। वह व्यवहार कुशल और मिलनसार था। वह अपने कमरे से रेडीमेड कपड़ों का भी काम करता था।

करीब 14 मिनट के वायरल वीडियो में मनोज पहले कुर्सी की मदद से कपड़े टांगने वाले स्टैंड पर चढ़ता दिखाई देता है। इस दौरान वह एक बार नीचे भी गिर जाता है। फिर मोबाइल का एंगल ठीक करता है और लाइव पर आए मैसेज देखता है। इसके बाद वह दोस्तों को हाथ हिलाकर बाय करता है और फ्लाइंग किस देता है। अंत में वह कुर्सी के सहारे स्टैंड पर चढ़कर पंखे से बंधे गुलूबंद के फंदे से लटक जाता है।

शुभम के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे मनोज इंस्टाग्राम पर लाइव आया था। जब तक दोस्त उसके घर पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। परिचित लोग प्रेम प्रसंग और पारिवारिक तनाव को संभावित वजह मान रहे हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर मोबाइल जब्त कर लिया है और परिजनों के बयान लिए जा रहे हैं।

श्वान ने 14 साल की बच्ची समेत पांच को काटा, घायल

नगर संवाददाता, शिवपुरी

शहर के सईसपुरा क्षेत्र स्थित मीट मार्केट में शुक्रवार देर शाम एक आवारा श्वान ने हमला कर दिया। इस घटना में 14 वर्षीय बालिका सहित कुल पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सईसपुरा निवासी सनाया खान अपनी बहन के बच्चे को दादी के घर छोड़ने पैदल जा रही थी। इसी दौरान बक्से वालों की दुकान के पास एक श्वान ने अचानक उस पर हमला कर दिया और उसके पैर को जबड़े में पकड़ लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बच्ची को श्वान से छुड़ाया।

घटना की सूचना मिलने पर पिता बाबू खान मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि बच्ची के पैर से काफी खून बह रहा था, जिसके चलते उसे तुरंत बाइक से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद गहरे घाव पर दो टांके लगाए।

बताया गया है कि उसी श्वान ने कुछ देर बाद क्षेत्र में चार अन्य लोगों को भी काट लिया। सभी घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

डंपर की टक्कर से एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

रंचोरपुरा से अपने गांव नरौली लौट रहे थे दोनों युवक

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत फूलपुरा के पास बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां गिट्टी से भरे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक रंचोरपुरा से अपने गांव नरौली लौट रहे थे। इसी दौरान फूलपुरा के पास तेज गति से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने घायल होतम सिंह की हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे ग्वालियर रेफर कर दिया। वहीं दूसरे घायल रामप्रकाश पुत्र चूक्कूराम निवासी नरौली ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जहां शनिवार दोपहर करीब एक बजे पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में तेज रफ्तार भारी वाहनों की आवा-जाही के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही आरोपी डंपर चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जंगली जानवर ने किया हमला, 35 भेड़ों की मौत, कई घायल

भेड़ों के शवों को देख बेहोश हो गया पालक

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले की जौरा तहसील के छैरा गांव में बीती रात एक जंगली जानवर ने भेड़ों के खिरक (बाड़े) में घुसकर हमला कर दिया। इस हमले में करीब 35 भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि आधा दर्जन से अधिक भेड़ें गंभीर रूप से घायल हैं।

जानकारी के अनुसार किसान विनोद खटीक गांव में रहकर भेड़ पालन का कार्य करते हैं। घटना के समय उनके खिरक में लगभग आधा सैकड़ा से अधिक भेड़ें मौजूद थीं। देर रात किसी जंगली जानवर ने बाड़े में घुसकर एक के बाद एक भेड़ों पर हमला कर दिया। सुबह जब भेड़ मालिक विनोद खटीक खिरक के अंदर पहुंचे तो वहां का मंजर देखकर स्तब्ध रह गए। बड़ी संख्या में भेड़ों के शव पड़े देख वे बेहोश हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों द्वारा यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हमला किस जंगली जानवर ने किया। साथ ही घायल भेड़ों का उपचार कराने और नुकसान का आकलन करने की प्रक्रिया भी जारी है। ग्रामीणों में इस घटना के बाद भय का माहौल है। लोगों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए और जंगली जानवर को पकड़ने के लिए जल्द कदम उठाए जाएं ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

विधायक के बेटे ही हालत गंभीर, ग्वालियर से दिल्ली रेफर किया

नगर संवाददाता, शिवपुरी

विजयपुर विधायक मुकेश मल्होत्रा के बेटे नितिन मल्होत्रा की सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद स्थिति नाजुक बताई जा रही है। शनिवार को उन्हें ग्वालियर अपोलो अस्पताल से दिल्ली के लिए रेफर किया गया है।

मालूम हो कि पनवाड़ा-कराहल मार्ग पर गुरुवार की रात हुए गंभीर सड़क हादसे में विधायक मुकेश मल्होत्रा के पुत्र नितिन मल्होत्रा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। यह सड़क हादसा उस समय हुआ था जब नितिन बाइक से पनवाड़ा मंदिर की ओर से कराहल की ओर आ रहे थे। इसी दौरान एक ऑटो से उनकी बाइक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नितिन मल्होत्रा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनका एक पैर फ्रैक्चर हो गया और सिर में भी गहरी चोट आई है।

कराहल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद नितिन को शिवपुरी रेफर किया गया था लेकिन विधायक अपने बेटे को बेहतर उपचार के लिए ग्वालियर के अपोलो अस्पताल ले गए थे लेकिन नितिन की हालत में कोई खास सुधार नहीं हुआ। शनिवार को उनकी तबियत बिगड़ते देख विधायक ने उन्हें दिल्ली के फरियाबाद स्थित अमृता अस्पताल में भर्ती कराया है।

प्राथमिकी में 60 हजार रु. की चोरी दर्ज, माल 3.30 लाख का बरामद

दुकान से मोबाइल एवं एसेसरी चोरी का मामला

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले के करैरा थाना पुलिस ने शुक्रवार को चोरी के 31 मोबाइल के साथ एक नाबालिग चोर को पकड़ा है। इस मामले का रोचक पहलू यह है कि 10 जनवरी 2026 को हुई चोरी में दुकानदार नीरज गुप्ता ने करीब 5 लाख रुपये का सामान चोरी होना बताया था, लेकिन पुलिस ने मात्र 60 हजार रुपये की चोरी दर्ज की।

दो माह बाद जब पुलिस ने आरोपी को पकड़ा, तो उसके पास से बरामद 31 मोबाइल की कीमत करीब 3 लाख 30 हजार रुपये आंकी गई है। अभी 7 पावर बैंक और ब्लूटूथ डिवाइस सहित अन्य सामान बरामद होना बाकी है। दुकानदार नीरज गुप्ता के अनुसार, उनके वृद्ध पिता सुबह दुकान खोलते हैं। 8 जनवरी को एक लड़का स्कूल बैग और मास्क पहनकर आया और दुकान की चाबी चुरा ले गया। शाम को चाबी नहीं मिलने पर उन्होंने अन्य ताले लगवा दिए, लेकिन शटर का सेंट्रल लॉक खुला रह गया।

चाबी गायब होने के दो दिन बाद, 10 जनवरी को सेंट्रल लॉक खोलकर मोबाइल और एसेसरी चोरी कर ली गई। दुकानदार ने पुलिस को 5 लाख की चोरी की जानकारी दी, लेकिन पुलिस ने 60 हजार रुपये की ही रिपोर्ट दर्ज की। राशि बढ़वाने के लिए आवेदन देने के बावजूद कोई संशोधन नहीं किया गया।

दुकानदार का कहना है कि इतनी बड़ी चोरी एक नाबालिग अकेले नहीं कर सकता, इसमें अन्य लोगों की भी संलिप्तता हो सकती है। अब देखना यह है कि 60 हजार की दर्ज चोरी और 3.30 लाख के बरामद माल के बीच का अंतर पुलिस कैसे स्पष्ट करती है।

गेहूं के खेत में भैंस घुसने पर पीटा

श्योपुर। ढोढर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गेहूं के खेत में भैंस घुसने पर फरियादी की मारपीट कर दी गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी रामभरत पुत्र जयराम आदिवासी उम्र 30 साल निवासी तिल्लीडेरा का बड़ा सहराना ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि गत दिवस दोपहर एक बजे स्थान फरियादी का नीम वाला खेत ग्राम तिल्ली डेरा पर आरोपी महावीर आदिवासी ने गेहूं के खेत में भैंस चले जाने पर फरियादी की मारपीट कर दी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

संपादकीय

होर्मुज पर नरमीः जंग के साए में राहत की किरण

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच जब दुनिया ऊर्जा संकट की आशंका से जूझ रही थी, तब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर आई नरमी ने वैश्विक स्तर पर राहत की सांस दी है। यह वही समुद्री मार्ग है, जहां से दुनिया की करीब 60-70 तेल और गैस आपूर्ति गुजरती है। ऐसे में इसके बंद होने की आशंका ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों से लेकर आम लोगों की चिंताओं को बढ़ा दिया था।

बीते दिनों ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते टकराव ने स्थिति को और गंभीर बना दिया था। हालात इतने बिगड़े कि भारत समेत कई देशों के तेल-गैस से लदे जहाज होर्मुज में फंस गए। खुद भारत सरकार ने इस पर चिंता जताई थी।

इसी बीच ईरान की ओर से पहले संयुक्त राष्ट्र को भेजे गए संदेश में नरमी के संकेत मिले और अब यह संकेत ठोस फैसले में बदलते दिखे हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने घोषणा की है कि भारत, चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान के जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी जाएगी। उनके अनुसार, इन देशों ने सुरक्षित समुद्री मार्ग की मांग की थी, जिस पर ईरान ने सकारात्मक रुख अपनाया।

भारत के लिए यह खबर किसी बड़ी राहत से कम नहीं है। ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर भारत के सामने अचानक सप्लाई रुकने का खतरा मंडरा रहा था। तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होती, तो इसका असर सीधे महंगाई, उद्योग और आम नागरिकों की जेब पर पड़ता।

हालांकि, यह राहत अस्थायी भी हो सकती है। ईरान का यह कदम जहां एक ओर कूटनीतिक संतुलन का संकेत है, वहीं यह भी साफ करता है कि वह अपने मित्र देशों के साथ संबंधों को प्राथमिकता दे रहा है। लेकिन यह भी सच है कि जब तक ईरान और इजराइल के बीच तनाव पूरी तरह खत्म नहीं होता, तब तक क्षेत्र में स्थिरता की उम्मीद अधूरी ही रहेगी।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर दुनिया को यह सिखाया है कि ऊर्जा आपूर्ति के सीमित रास्तों पर अत्यधिक निर्भरता कितनी जोखिम भरी हो सकती है। भारत जैसे देशों के लिए यह संकेत है कि उन्हें वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और सप्लाई चेन को मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम करना होगा।

उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलमार्ग फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा रास्ता है, जिससे होकर दुनिया के कई देशों के जलपोत आवाजाही करते हैं। दुनिया के करीब बीस फीसद तेल और तरल प्राकृतिक गैस का परिवहन इसी रास्ते से होता है।यही वजह है कि ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, उसके बाद से विश्व भर में तेल और गैस की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल आया है। भारत की भी ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत पश्चिम एशिया रहा है।

मौजूदा संकट के बीच सरकार ने तेल और गैस का पर्याप्त भंडार होने की बात कही है, लेकिन सच यह है कि आम लोग रसोई गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से उपजी मुश्किल का सामना कर रहे हैं।

अंततः, होर्मुज पर मिली यह राहत उम्मीद की किरण जरूर है, लेकिन इसे स्थायी समाधान नहीं माना जा सकता।

जंग के साए में मिली यह नरमी बताती है कि संवाद और कूटनीति के जरिए ही वैश्विक संकटों का समाधान संभव है–और फिलहाल, दुनिया को इसी दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है।

सुविचार

जो व्यक्ति हर तरह की परिस्थिति में स्वंय को ढाल लेता है वास्तव में वही सबसे ज्यादा सदा सुखी रहता है।

सेहत

पपीता खाने के सेहत को फायदे....

पपीता एक अत्यधिक पौष्टिक फल है, जो पाचन में सुधार, वजन घटाने, प्रतिरक्षा बढ़ाने और त्वचा में निखार लाने के लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें मौजूद पपेन एंजाइम कब्ज दूर करता है, जबकि विटामिन, और ष्ट हृदय स्वास्थ्य और आंखों की रोशनी के लिए बेहतरीन हैं। यह लो-कैलोरी फरूट डायबिटीज और पेट से जुड़ी समस्याओं में भी मददगार है।

बेहतर पाचन- पपीते में पपेन नामक एंजाइम होता है जो प्रोटीन को पचाने में मदद करता है, जिससे कब्ज और पेट की बीमारियां दूर रहती हैं।

वजन कम करने में सहायक- कम कैलोरी और उच्च फाइबर के कारण, यह पेट को भरा रखता है और फैट तेजी से कम करने में मदद करता है।

इम्यूनिटी बढ़ाए - विटामिन C से भरपूर होने के कारण, यह शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

आंखों के लिए लाभदायक- इसमें विटामिन, और बीटा-कैरोटीन होता है, जो आंखों की रोशनी बढ़ाता है और मोतियाबिंद के खतरे को कम करता है।

स्वस्थ त्वच- इसके एंटीऑक्सीडेंट्स मुहांसे, दाग-धब्बे कम करते हैं और चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाते हैं।

हृदय स्वास्थ्य- इसमें मौजूद फाइबर, पोटैशियम और विटामिन्स कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित कर दिल की बीमारियों से बचाते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद - कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण, यह ब्लड शुगर को धीरे-धीरे बढ़ाता है, जिससे यह शुगर के मरीजों के लिए सुरक्षित है।

पीरियड्स के दर्द में राहत पपीता महिलाओं में अनियमित पीरियड्स और दर्द में आराम दिला सकता है।

सर्वोत्तम समय- सुबह खाली पेट पपीता खाना पाचन के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

सावधानी- बहुत अधिक मात्रा में पपीता खाने से पेट में खराबी हो सकती है। गर्भवती महिलाओं को इसका सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

युद्ध का कहर

जलती हुई चिताओं से
जल रहे शहर
चीखती राह भागती
बेकल हैं खंडहर

इंसान रह गया नहीं
इन्सानियत के संग
कंकरीटी जंगलों में
बरपा है वो कहर

बारूद में कहां ताब
गला दे हाड़ मांस
मद ने मानवों के
घोला है सब जहर ।

सुलगती चर्बीयां
महकती हर दिशा
असुरों दानवों का
ज्यू चल रहा प्रहर ।

बुद्धि का विवेक से
हो गया विच्छेद
मद-लोभ-डाह संग है
जो दिखा रहे डगर ।

संस्कार अब रहा नहीं
न सभ्यता रही
लघु को मिटा दीर्घता
है बांटती कहर ।

विकास होड़ चल रही
विनाश ले के संग
बचा सको बचा लो
अपने अपने घर ।

उमेश कुमार श्रीवास्तव
प्रधान जिला न्यायाधीश (से.नि.)
लोकभवन , भोपाल

बालेन शाह और नेपाल के युवा नेतृत्व का नया प्रशासनिक मॉडल

महेन्द्र तिवारी

नेपाल में 27 मार्च 2026 का दिन एक ऐसे युगांतकारी परिवर्तन के रूप में दर्ज हो गया है, जिसने न केवल हिमालयी राष्ट्र की दिशा बदल दी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए राजनीति का एक इतिहास लिख दिया। काठमांडू के शीतल निवास में जब 35 वर्षीय बालेंद्र शाह, जिन्हें दुनिया बालेन के नाम से जानती है, ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तो वह मात्र एक व्यक्ति का सत्तासीन होना नहीं था। वह उस जेन-ज़ी विद्रोह की संवैधानिक परिणति थी, जिसने नेपाल के दशकों पुराने राजनीतिक सिंडिकेट और पारंपरिक दलीय व्यवस्था को जड़ से हिलाकर रख दिया। यह जीत उस आक्रोश का परिणाम थी जो लंबे समय से नेपाल के युवाओं के मन में पुरानी पीढ़ी के नेताओं के प्रति पनप रहा था, जो सत्ता को म्यूजिकल चेयर के खेल की तरह आपस में बदलते रहते थे। इस क्रांति की नींव वास्तव में सितंबर 2025 में पड़ी थी, जब तत्कालीन के.पी. शर्मा ओली सरकार ने 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाने का आत्मघाती निर्णय लिया। सरकार ने इसे नियमन का नाम दिया, लेकिन डिजिटल युग में पली-बढ़ी पीढ़ी के लिए यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और आर्थिक संभावनाओं पर सीधा प्रहार था। देखते ही देखते काठमांडू की गलियां नारों और विरोध प्रदर्शनों से भर गईं। यह आंदोलन किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रायोजित नहीं था, बल्कि यह पूरी तरह से विकेंद्रीकृत और डिजिटल रूप से समन्वित था। जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर अत्यधिक बल प्रयोग किया, जिसमें 77 लोगों की जान चली गई, तो शांतिपूर्ण विरोध एक राष्ट्रव्यापी विद्रोह में बदल गया। इसी जन-दबाव के आगे झुकते हुए प्रधानमंत्री ओली को इस्तीफा देना पड़ा और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनी, जिसने स्वतंत्र चुनाव कराने का मार्ग प्रशस्त किया। इन्ही घटनाओं ने सिद्ध कर दिया कि नेपाल की नई पीढ़ी अब केवल मूक दर्शक नहीं रही, बल्कि वह सत्ता परिवर्तन की निर्णायक शक्ति बन चुकी है। 5 मार्च 2026 को हुए आम चुनाव के परिणामों ने वह कर दिखाया जिसे नेपाल के राजनीतिक पंडित असंभव मान रहे थे। बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने प्रतिनिधि सभा की 275 सीटों में से 182 सीटें जीतकर एक ऐसा प्रचंड बहुमत हासिल किया, जो नेपाल में 1999 के बाद किसी भी एकल दल को नहीं मिला था। इस चुनावी भूकंप की सबसे बड़ी प्रतीकात्मक जीत झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में देखी गई, जहाँ बालेन शाह ने खुद पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को 50,000 से अधिक मतों के अंतर से पराजित किया। पुरानी और स्थापित पार्टियाँ, जैसे नेपाली कांग्रेस और CPN-UML, इस कदर सिमट गईं कि उनके अस्तित्व पर सवाल खड़े होने लगे। यह चुनाव परिणाम स्पष्ट रूप से पुरानी पीढ़ी के नेतृत्व के प्रति गहरे अविश्वास और नई, पारदर्शी एवं कार्य-उन्मुख राजनीति के प्रति जनता के अटूट उत्साह को दर्शाता था। बालेन शाह का व्यक्तित्व इस नई राजनीति का केंद्रबिंदु है। 27 अप्रैल 1990 को जन्मे बालेन ने सिविल और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा प्राप्त की है, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय पहचान एक ऐसे रैपर के रूप में मिली जिसके गीतों में व्यवस्था की खामियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ तीखा व्यंग्य होता था। 2022 में काठमांडू के मेयर के रूप में उनकी जीत ने पहली बार यह संकेत दिया था कि जनता अब पारंपरिक नेताओं से ऊब चुकी है। मेयर के रूप में उन्होंने कचरा प्रबंधन और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ जिस तरह से तकनीक और लाइव वीडियो का सहारा लिया, उसने उन्हें युवाओं का मसीहा बना दिया। इसके अलावा, बालेन का मधेश मूल से होना नेपाल के सामाजिक ताने-बाने के लिए भी एक ऐतिहासिक मोड़ है, क्योंकि वे नेपाल के पहले मधेशी प्रधानमंत्री हैं। यह तराई क्षेत्र की उन लंबे समय से चली आ रही शिकायतों का एक जवाब भी है, जिसमें खुद को सत्ता की मुख्यधारा से अलग-थलग महसूस करने की भावना निहित थी।सत्ता संभालते ही प्रधानमंत्री बालेन शाह ने अपनी सरकार को लीन गवर्नमेंट या चुस्त शासन के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने नेपाल की उस पुरानी परंपरा को तोड़ दिया जहाँ गठबंधन के सहयोगियों को खुश करने के लिए दर्जनों मंत्रालयों का निर्माण किया जाता था। बालेन ने मात्र 15 सदस्यीय मंत्रिपरिषद का गठन किया, जिसमें कई मंत्रालयों का विलय कर दिया गया ताकि प्रशासनिक खर्चों में कटौती की जा सके और निर्णय लेने की प्रक्रिया में गति आए। उनकी कैबिनेट में पहली बार 33 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की संवैधानिक शर्त को पूरी तरह से लागू किया गया, जिसमें सोबिता गौतम और प्रतिभा रावल जैसी प्रखर महिला नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं। साथ ही, डॉ. स्वर्णिम वागले जैसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री को वित्त मंत्री बनाकर सरकार ने यह संकेत दिया कि वह देश की चरमराती अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए पूरी तरह गंभीर है।

> **काठमांडू के शीतल निवास में जब 35 वर्षीय बालेंद्र शाह, जिन्हें दुनिया बालेन के नाम से जानती है, ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तो वह मात्र एक व्यक्ति का सत्तासीन होना नहीं था। वह उस जेन-ज़ी विद्रोह की संवैधानिक परिणति थी, जिसने नेपाल के दशकों पुराने राजनीतिक सिंडिकेट और पारंपरिक दलीय व्यवस्था को जड़ से हिलाकर रख दिया। यह जीत उस आक्रोश का परिणाम थी जो लंबे समय से नेपाल के युवाओं के मन में पुरानी पीढ़ी के नेताओं के प्रति पनप रहा था, जो सत्ता को 'म्यूजिकल चेयर' के खेल की तरह आपस में बदलते रहते थे। इस क्रांति की नींव वास्तव में सितंबर 2025 में पड़ी थी, जब तत्कालीन के.पी. शर्मा ओली सरकार ने 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाने का आत्मघाती निर्णय लिया।**

बालेन शाह की सरकार का सबसे महत्वाकांक्षी एजेंडा 2082 विजन के रूप में सामने आया है। नेपाल की अर्थव्यवस्था वर्तमान में प्रेषण और आयात पर अत्यधिक निर्भर है, जिसे बालेन एक उत्पादन-आधारित और आत्मनिर्भर मॉडल में बदलना चाहते हैं। इस विजन के तहत अगले पांच वर्षों में नेपाल की जीडीपी को 49 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने और प्रति व्यक्ति आय को 3,000 डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने 1.2 मिलियन उत्पादक रोजगार सृजन का वादा किया है ताकि उस ब्रेन ड्रेन को रोका जा सके जिसके कारण हर दिन हजारों युवा खाड़ी देशों में मजदूरी के लिए जाने को मजबूर हैं।

इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र से 30 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित करने और जलविद्युत उत्पादन को 15,000 मेगावाट तक ले जाने जैसे लक्ष्य इस सरकार की दूरगामी सोच को दर्शाते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इन लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान नहीं होगा क्योंकि इसके लिए नेपाल को लगातार दोहरे अंकों में विकास दर हासिल करनी होगी। प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ, बालेन सरकार के सामने न्याय और जवाबदेही सुनिश्चित करने की एक बहुत बड़ी चुनौती है। सुशीला कार्की के नेतृत्व वाले जांच आयोग की रिपोर्ट ने यह खुलासा किया है कि 2025 के आंदोलनों के दौरान हुई मौतों के लिए पूर्व राजनीतिक और सुरक्षा नेतृत्व सीधे तौर पर जिम्मेदार था।

अफवाहों का बाजार : सरकार, विपक्ष और समाज की जिम्मेदारी

प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

वर्तमान में संपूर्ण विश्व भू-राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध की विभीषिकाओं और आर्थिक अनिश्चितताओं के चक्रव्यूह में फंसा हुआ है। इस वैश्विक उथल-पुथल के मूल में रूस-यूक्रेन महासमर, ईरान-अमेरिका, इजरायल के मध्य गहराता संघर्ष, अमेरिका की संरक्षणवादी टैरिफ नीतियां तथा तीव्र होती वैश्विक गुटबाजी जैसे कारक प्रमुख रूप से उत्तरदायी नजर आते हैं। इन द्वंद्वों के परिणामस्वरूप ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक तंत्र, कूटनीतिक संतुलन और वैश्विक व्यापक आर्थिक स्थिरता जैसे विषय आज राष्ट्रों के लिए अत्यंत चिंताजनक बन गए हैं। जहाँ कुछ राष्ट्र प्रत्यक्ष रूप से युद्ध की विभीषिका झेल रहे हैं, वहीं भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं इसके परोक्ष आर्थिक दुष्प्रभावों का सामना करने को विवश हैं। विशेष रूप से तेल और गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना और कीमतों की अस्थिरता को नियंत्रित रखना विकसित से लेकर अविकसित देशों तक के लिए एक चुनौती बन गया है। ऐसे संकटकाल में, भारत जैसे विशाल एवं संवेदनशील लोकतंत्र के समक्ष न केवल ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को अक्षुण्ण बनाए रखने और मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने की चुनौती है, बल्कि आंतरिक स्तर पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं और अफ़वाहों के विरुद्ध जनमानस को सचेत व जागरूक करना भी एक अनिवार्य दायित्व बन गया है।

आज सोशल मीडिया और अनौपचारिक स्रोतों के माध्यम से भ्रामक खबरें तीव्र गति से फैल रही हैं। कहीं फिर से लॉकडाउन लगने का डर दिखाया जा रहा है, तो कहीं ईंधन की भारी कमी की आशंका जताई जा रही है, तो कुछ तेल और गैस की कीमतों के साथ रोजमर्रा के आवश्यक सामान जैसे किराना आदि के दामों में भारी वृद्धि होने का डर फैलाया जा रहा है।कुछ तत्व तो विश्व युद्ध या परमाणु हमले का भय दिखाकर जनता को आवश्यक वस्तुओं के भंडारण की अनुचित सलाह दे रहे हैं। ऐसी अपुष्ट सूचनाएं न केवल सामाजिक तनाव बढ़ाती हैं, बल्कि आर्थिक असंतुलन और पैनिक बाइंग (घबराहट में खरीदारी) को भी जन्म देती हैं।इसका सबसे घातक परिणाम यह होता है कि बाज़ार में कृत्रिम कमी पैदा हो जाती है, जिसका लाभ जमाखोर और कालाबाजारी करने वाले तत्व उठाते हैं।हाल ही में गैस की कालाबाजारी के कुछ मामले पकड़े भी गए हैं। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि अफ़वाहें केवल सूचना का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

डिजिटल क्रांति ने सूचना के प्रसार को पंख दे दिए हैं, लेकिन इसी के साथ अफ़वाहों की गति भी बढ़ी है। कुछ राष्ट्रविरोधी तत्व पुराने वीडियो को वर्तमान संघर्षों से जोड़कर या विदेशी घटनाओं को भारत का बताकर साझा करते हैं। कुछ लोग तो पड़ोसी और अन्य विश्व के देशों में तेल और गैस की किल्लत और दामों में वृद्धि को दिखा कर भ्रम फैला रहे हैं कि भारत में भी ऐसे ही हालात निर्मित होने वाले हैं। ऐसी भ्रामक स्थिति में आम नागरिक के लिए सत्य और असत्य के बीच की धुंधली रेखा को पहचानना कठिन हो जाता है, जिससे समाज में अविश्वास का माहौल पनपता है। अतः सरकार का दायित्व हो जाता है कि वह ऊर्जा आपूर्ति, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और विदेश नीति पर निरंतर पारदर्शिता और जनता से संवाद बना कर रखे। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय तथा सभी राजनीतिक दलों के साथ संवाद इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, जैसा कि हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा इस तरह के प्रयास किए गए हैं। इसी दिशा में सभी राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई, राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक आयोजित कर विचार विमर्श किया गया तथा वस्तु स्थिति पर राज्य सरकारों की आगामी रणनीति कैसी होनी चाहिए पर विचार किया गया । सब का विश्वास अर्जित करने की दिशा में इसे अच्छा प्रयास कहा जा सकता है।

विपरीत स्थितियों में विपक्षी दलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार है, किंतु राष्ट्रीय सुरक्षा या वैश्विक संकट के समय विपक्ष को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। उन्हें ऐसे वक्तव्यों से बचना चाहिए जो जनता में भ्रम और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। रचनात्मक सुझाव देना और संकट के समय सरकार के साथ खड़े होकर जनता का मनोबल बढ़ाना ही एक परिपक्व विपक्ष की पहचान है। नीतियों का विरोध वैचारिक हो सकता है, लेकिन वह राष्ट्र के मनोबल को कमजोर करने वाला कदापि नहीं होना चाहिए।हर विपक्ष दलों के नेताओं को अपने गिरेबान में झांक कर एक बार देखने की आवश्यकता है कि उनके द्वारा संकट की इस घड़ी में दिया गया वक्तव्य क्या देश हित में उचित है?

मैं तो इस समय यही कहना चाहूंगा कि वैश्विक संकट की घड़ी में सरकार, विपक्ष और जनता की आवाज़ एक होनी चाहिए। जब देश के भीतर एकता होती है, तो बाहरी चुनौतियों का सामना करना सरल हो जाता है। समाज को भी यह समझना होगा कि बिना पुष्टि के किसी भी जानकारी पर विश्वास करना और साझा करना अफ़वाह को बढ़ावा देना है। आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करना और फैक्ट-चेक की संस्कृति विकसित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मीडिया को भी सनसनीखेज खबरों के बजाय तथ्यपरक पत्रकारिता पर ध्यान देना चाहिए।अफ़वाहों का संक्रमण तभी रुकेगा जब सरकार पारदर्शी हो, विपक्ष उत्तरदायी हो और समाज जागरूक हो। हमें डर और भ्रम से नहीं, बल्कि तथ्य और संयम के साथ आगे बढ़ना होगा ।

बच्चों की विद्यालय तक सामाजिक एवं भौतिक पहुंच आवश्यक

ई. प्रभात किशोर

प्रारंभिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण हेतु यह आवश्यक है कि संबंधित आयुवर्ग के बच्चों को उनकी पहुंच के अंदर एक समुचित दूरी पर विद्यालयी सुविधाएँ उपलब्ध हो सके। यदि विद्यालय उन बसावों या उनके आस-पास अवस्थित नहीं है जहां बच्चे निवास करते हैं, तो ऐसे विद्यालयों में बच्चों का नामांकन या उनकी शिक्षा अबाध रूप से जारी रहने की संभावना कम होती है, भले ही वे औपचारिक रूप से ऐसे विद्यालयों में नामांकित हों। बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार हर बच्चे को एक निर्धारित सीमा के अंदर प्राथमिक विद्यालय की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए।

विद्यालयी शिक्षा तक सामाजिक पहुंच भी उतनी हीं महत्वपूर्ण है जितनी कि भौतिक पहंच। भारत जैसे विविधता वाले देश में, जहाँ भाषा, बोली, कोटि, लिंग और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में अंतर होता है, विद्यालयों को इन विविधताओं की पहचान करते हुए उन पर संवेदनशील तरीके से कार्य करना चाहिए। उदाहरणस्वरूप, यदि किसी आदिवासी बहुल क्षेत्र में कक्षा 1 से पठन-पाठन की भाषा राज्य की भाषा है, तो विद्यालय का माहौल बच्चे को प्रभावित कर सकता है।

इसी प्रकार, यदि शिक्षक लैंगिक एवं जातिगत भूमिका संबंधी पारंपरिक धारणा को दूर करने हेतु संवेदनशील नहीं हैं, तो उनमें ऐसे उपाय करने की संभावना नहीं के बराबर रहती है जो बालिकाओं एवं हाशिये पर खड़े समुदायों के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में सहायक सिद्ध हो। बच्चों के साथ शिक्षकों के आपसी संबंध एवं व्यवहार, कक्षा में बैठने की व्यवस्था, बच्चों के बीच काम का समुचित ढंग से आवंटन, बालिकाओं और अनु0 जाति / अनु0 जनजाति एवं समाज के कमजोर वर्ग की उचित भूमिका एवं स्थान सामाजिक धारणा को बनाए रख सकती हैं या समाप्त कर सकती हैं।

सरकारी विद्यालय में पहली पीढ़ी के बच्चों और हाशिये पर के समुदाय के बच्चों का अनुपात अधिकाधिक है। शिक्षकों को इस तथ्य के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता है कि कई बच्चों के घर का वातावरण होमवर्क या विद्यालय के काम के पुनरीक्षण की सुविधा नहीं देता। यदि बच्चे की इस चूक हेतु दंडित किया जाता है या विद्यालय ऐसे बच्चों को पढ़ाई में मदद नहीं करता, तो ऐसे बच्चों के निराश एवं कुंठित होने और अंततः विद्यालय छोड़ने की संभावना बनी रहती है। पाठयचर्या और पाठ्यपुस्तकों को भी विद्यालय के बाहर बच्चों के जीवन के साथ आंतरिक रूप से जुड़ा होना चाहिए। साथ हीं व्यापक दुनिया के बारे में सीखने के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उनकी भाषा, संस्कृति और जीवनशैली में बच्चे के गौरव को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच हेतु समान गुणवत्ता वाले विद्यालय आवश्यक हैं। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि किसी विशेष जाति, वर्ग या लिंग में जन्म लेना किसी के जीवन की संभावना कदापि परिभाषित नहीं करती। प्रारंभिक शिक्षा सभी बच्चों को एक समान अवसर सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाती है । हालांकि सभी विद्यालय बुनियादी संरचना या शिक्षण की गुणवत्ता के मामले में एक समान नहीं हैं। ग्रामीण और शहरी विद्यालयों में, सरकारी और निजी विद्यालयों में, और यहाँ तक कि सरकारी विद्यालयों में आपस में भी काफी असमानताएं देखी जा सकती है। अनु0 जाति/अनु0 जनजाति एवं समाज के कमजोर वर्ग के बच्चे, विशेषकर बालिकाएं, अक्सरहां स्तरहीन गुणवत्ता वाली पढ़ाई का सामना करते हैं।

रघुवंशी समाज के साथ हिन्दू उत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ सकल हिन्दू समाज रहा उपस्थित

श्रीराम नवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब.. जय श्रीराम के जयकारे के साथ शोभायात्रा

बरेली (नि.प्र.)

रघुवंशी समाज के तत्वावधान में हिंदू उत्सव समिति बरेली एवं सकल हिंदू समाज के सहयोग से राम नवमी एवं राम जन्मोत्सव का पर्व इस वर्ष भी अपार श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। नगर का वातावरण दिनभर भक्तिमय रहा और जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। रामलीला मैदान स्थित राम मंदिर से प्रारंभ हुई भव्य शोभायात्रा ठाकुर चौराहा, बड़ा बाजार, सब्जी मंडी, शक्ति धाम, बावड़ी मोहल्ला, वेटरनरी रोड, पुराना एन-45, नया बस स्टैंड, दिग्विजय परिसर होते हुए पुनः रामलीला मैदान पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की सजीव झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। घोड़े का मनमोहक नृत्य, बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था। हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे आयोजन को सफल बनाया। रघुवंशी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं हीरो मोटरसाइकिल संचालक रविंद्र रघुवंशी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी यह आयोजन पूरे अनुशासन और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि हिंदू उत्सव समिति एवं समस्त सकल हिंदू समाज के सहयोग से यह आयोजन भव्य रूप ले सका। समाज की ओर से सभी सहयोगी बंधुओं, कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों के प्रति आभार एवं धन्यवाद प्रेषित किया गया।

हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष पं. दिनेश नारायण बबेले ने बताया कि हमारी परंपरा के अनुसार प्रतिवर्ष श्रीराम नवमी के पर्व पर नगर में भव्यतापूर्ण शोभायात्रा निकाली जाती है, जिसमें नगर के साथ क्षेत्रवासी भी बडी संख्या में सम्मिलित होते हैं। रघुवंशी समाज के साथ हिन्दू उत्सव समिति के पदाधिकारी एवं सकल हिन्दू समाज के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल होकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हैं।

राम नवमी के इस पावन अवसर पर नगर में एकता, भाईचारे और धार्मिक आस्था की अद्भुत मिसाल देखने को मिली। आयोजन ने न केवल धार्मिक चेतना को सुदृढ़ किया, बल्कि सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया।

पुरावैभव को समेटे जामगढ़ भगदेई, ऐतिहासिक व पुरातत्व के अवशेषों की धरोहर जामगढ़

बरेली (नि.प्र.)

रायसेन जिले की तहसील बरेली में जामगढ़ ग्राम ऐतिहासिक एवं पुरातत्व की धरोहर है। विन्ध्यांचल पर्वतमाला की तलहटी में स्थित ऋषि मुनियों एवं साधकों की तपस्थली त्रेता, द्वापर दो युगो को साक्षी अपने परिसर में आज भी प्राचीन पौराणिक अवशेष प्राकृतिक सुन्दरता एवं शैलाश्रयों को समेटे गौरवान्वित कर रहा है। ऋषि मुनियों साधकों की तपस्थली पर नहीं दिया जा रहा ध्यान महान संतों की तपोभूमि जामगढ़ बिखरी पड़ी है पुरा संपदा सुरक्षित नहीं है पाषाण की मूर्तियां ।

हजारों वर्ष पुराने पद चिन्ह : शिवशक्ति की क्रीड़ा स्थली विन्ध्यांचल पर्वतमाला पर प्राकृतिक रूप से एक विशाल विस्तृत समतल हरयाली युक्त मनोहारी मैदान के बीचों बीच देवी विन्ध्यवासिनी मां का बराही स्वरूप अनादीकला से विद्यमान है। यहां नवरात्रि में एवं वर्ष भर देवी उपासक आते हैं। माता रानी के आसपास घनी मनोरम हरियाली युक्त झाड़ियां हैं। मां बराही के समीप जामवंत भगवान रीछड़मल के पदचिन्ह एवं अबूझ अकूत खजाने का बीजक शैल चित्र है जो आज तक पढ़े नहीं गये हैं।

मां कामाख्या देवी का तांत्रिक मठ : इसी पहाड़ी के बीच एक विशाल जल रहित सरोवर के समीप घनी झाड़ियों के बीच काले विशाल पत्थरों से निर्मित अति प्राचीन सतावटी का पुरातत्वकीय महत्व का मठ मूल स्वरूप में आज मौजूद है। इस में विराजमान देवी कामाख्या रूप में स्थित है पौराणिक कथा के अनुसार यहां देवी... रूप गिरा था जिससे यह स्थान भगदेई से जाना जाता है और भक्त इस स्वरूप की पूजा कामाख्या देवी के रूप में होती है। शिवगुफा जामगढ़ के समीप जामवंत गुफा के नीचे माता विन्ध्यवासिनी देवी की तलहटी में विशाल जामवंत सरोवर है यहां पहले वर्षभर पानी रहता था। जिससे ग्रामीणों को व वन्यजीवों को पानी मिलता था। अब सूखा पड़ा है।

सुनाई पड़ती है अलौकिक ध्वनियां : समाजसेवी कमलकिशोर शर्मा ने बताया कि यहा विशेष अवसर पर मध्यरात्रि के समय अचानक शंख ध्वनियों की अलोकिक ध्वनियां सुनाई देती थी तुरीय संध्याकाल में अलोकिक दिव्य प्रकाश किरणें देवाधिदेव व माता विन्ध्यवासिनी की आरती उतारती दिखाई देती थी। पूर्वजों ने व हमने वनराज को माता विन्ध्यवासिनी के समीप आवाज लगाते सुना है । प्रार्थना करने का क्रम वनराज का था जो आबादी के कारण बंद हो गया है।

कठिन है डगर,संरक्षण की दरकार : ऐतिहासिक पुरातत्वीय धार्मिक प्राचीन पर्यटन के महत्व के कारण ग्राम जामगढ़ को शासन द्वारा पर्यटन स्थल घोषित किया गया है, जिसे आज प्रशासनिक संरक्षण की दरकार है। लेकिन सड़क, बिजली, पानी व रख-रखाव की उचित व्यवस्था न होने के कारण श्रध्दालुओं, पर्यटकों व शैलानियों को सुगम मार्ग के अभाव में आवागमन में कठिनाई होती है।

सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चों ने किया संस्था का नाम रोशन

बरेली। बरेली नगर की प्रसिद्ध शिक्षण संस्था जो कि संस्कारों के लिए जानी जाती है, जहां शिक्षा के साथ बच्चों को नैतिकता, संस्कार का पाठ प्रमुखता के पढाया जाता है। शिशु मंदिर के बच्चों ने कक्षा पांचवी एवं आठवीं में अच्छे अंक प्राप्तकर संस्था का गौरव बढ़ाया है। कक्षा पांचवीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वालों में सारिका धाकड़ 91 प्रतिशत, यश धाकड़ 80 प्रतिशत, सुरक्षा ठाकुर 78 प्रतिशत, प्रयांश धाकड़ 77.5 प्रतिशत, जया धाकड़ 77 प्रतिशत वहीं आठवीं बोर्ड में चंचल धाकड़ 90 प्रतिशत, अश्विन धाकड़ 86.8 प्रतिशत, कंचन धाकड 86.6 प्रतिशत, दिशांत कुशवाहा 86.4 प्रतिशत, शीतल धाकड़ 85.8 प्रतिशत, शेजल मीना 83.3 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं साथ ही शाला के अन्य छात्र-छात्राओं ने भी शत प्रतिशत उत्तीर्ण होकर शाला और नगर का मान बढ़ाया है। बच्चों की इस उपलब्धि पर संस्था एवं स्कूल प्राचार्य, स्टॉप एवं संस्था से जुड़े हुए महानुभावों ने बधाई और शुभकामनाएं दी है।

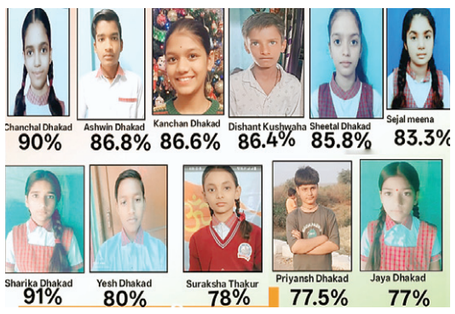

हादसे के बाद भरे हुए ट्रक से 12 बोरी गेहूं चोरी... चोरों की तलाश

स्कॉर्पियो में भरकर ले गए चोर, चोरी की वारदात होटल के सीसीटीवी में हुई कैद

अज्ञात चोरों पर मामला दर्ज, थाने के बेरखेड़ी चौराहे के पास की घटना

बरेली (नि.प्र.)

2 दिन पहले हाइवे 18 बेरखेड़ी चौराहे के पास हुए ट्रक कार एक्सीडेंट के मामले में नया मोड़ आ गया है। गेहूं से भरे हुए ट्रक ने जिस नेक्सन कार एमपी11 सीसी 6414 में टक्कर मारी थी। उसको चलाने वाले तीन से चार युवक उनकी दूसरी स्कॉर्पियो कार में गेहूं से भरे हुए ट्रक से 12 बोरी गेहूं चुरा कर ले गए हैं।

चोरी गए गेहूं की कीमत लगभग बीस हजार रुपये बताई जा रही है। चोरी की पूरी वारदात नजदीकी होटल के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। इन्हीं फुटेज की मदद से सलामतपुर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है। इनकी तलाश के लिए पुलिस की 2 टीम बनाई गई हैं। एक टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी खुद कर रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में तीन से चार अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध 303(2) बीएनएस का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

530 गेहूं की बोरी विदिशा से भरकर इंदौर ले जा रहा था ट्रक: ट्रक एमपी 09 एचएच 8147 विदिशा के प्योर ईट इंडिया प्रायवेट लिमिटेड के संचालक राहुल अग्रवाल ने लगभग 9 लाख रुपए कीमत का 530 बोरी गेहूं एबी रोड डगचिया इंदौर की अरमानिया कंपनी के लिए लोड किया गया था। 2 दिन पहले ट्रक चालक रंछोड़ चौहान ने ट्रक से एक नेक्सन कार में टक्कर मार दी थी। जिसकी वजह से कार सवार 3 से चार युवक तो बाल बाल बच गए थे। लेकिन उनकी कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। बताया जा रहा है कि इन्हीं युवकों ने पीछे आ रही उनकी दूसरी स्कॉर्पियो कार में ट्रक से तिरपाल हटाकर 12 गेंहू की बोरियां चोरी कर ली और कार में भरकर मौके से फरार हो गए। लेकिन यह चोरी की वारदात घटनास्थल के एक नजदीकी होटल के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। सलामतपुर पुलिस ने इन्हीं फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान कर ली है। शीघ्र ही आरोपियों की पहचान कर ली है। जिन्हें शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा।

इनका कहना है

एक्सीडेंट वाली घटना के बाद ट्रक से 12 गेहूं की बोरियां चोरी की गई हैं। इस मामले में एफआईआर दर्ज कर विवेचना में लिया है। कुछ इनपुट मिले हैं। जिसके आधार पर आरोपियों को शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिनेश सिंह रघुवंशी, थाना प्रभारी सलामतपुर।

युद्ध का असर गैस की कमी से जूझते नजर आ रहे लोग

सांची। पश्चिमी देशों में लगातार चल रहे भीषण युद्ध का असर यहां भी दिखाई देने लगा है। लोग गैस सिलेंडर वाहनों में भरी जाने वाली गैस का प्रभाव पड़ता दिखाई देने लगा है। जानकारी के अनुसार पश्चिमी देशों ईरान अमरीका इजरायल मे चल रहा भीषण युद्ध से डीजल पेट्रोल सीएनजी गैस तथा गैस सिलेंडर की कमी महसूस की जाने लगी है। हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर के नियम सुनिश्चित कर दिये गए हैं। इससे उपभोक्ता बेचैनी महसूस करने लगे हैं। यही हाल बाजारों में कमर्शियल गैस का दुकानदारों पर भी सीधा असर पड़ता दिखने लगा है। वहीं दूसरी ओर घरेलू गैस के लिए भी अब समय सीमा सुनिश्चित होने से उपभोक्ताओं मे बेचैनी बढ़ गई हैं। यही हाल गैस से चलने वाले वाहनों का भी हो गया था डीजल पेट्रोल के बढते दामों से छुटकारा पाने अधिकांश छोटे बड़े वाहन सीएनजी गैस पर निर्भर हो चुके हैं। इस युद्ध का असर सीएनजी गैस से चलने वाले वाहनों पर भी पड़ता दिखने लगा है सीएनजी गैस की कमी से तथा वाहनों के सामने संकट खड़ा हो गया है। अनेक वाहन चालकों को गैस के लिए यहां वहां भटकने पर मजबूर होना पड़ रहा है

शोभायात्रा का नगर कांग्रेस कमेटी ने किया स्वागत

बरेली (नि.प्र.) श्रीराम नवमी के पर्व पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सकल हिन्दू समाज के हजारों लोग उपस्थित रहे। जयश्रीराम के नारों से गूंजती हुई इस शोभायात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा में मां भगवती की प्रतिमा एवं छोटे-छोटे बच्चे राम-लखन की झांकी के रूप में शोभा बढा रहे थे, सभी का आरती उतारकर स्वागत किया गया। नगर कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेन्द्र सिंह चौधरी, ब्लाक अध्यक्ष कौशलेन्द्र सिंह चौधरी, नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नीलेश शर्मा, हिन्दू उत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष भीकम राय, पूर्व पार्षद विजय राजौरे, पूर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, युवा नेता मोनू शर्मा, नासिर भाई, नरेन्द्र धाकड़, रमेश सराठे, के साथ अन्य कांग्रेस जनों ने शोभायात्रा में चल रहे सभी महानुभावों का तिलक लगाकर स्वागत वंदन अभिनंद किया गया। इस शोभायात्रा में कांग्रेस हो या भाजपा हो सभी मिल जुलकर धर्म की ध्वजा लहराने के लिए चल रहे थे, सभी एक दूसरे को गले लगाकर भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की बधाई शुभकामनाएं दे रहे थे साथ ही मां भगवती के जयकारे भी लगा रहे थे।

हादसा एक घायल को निजी वाहन से तो दूसरे को 108 से अस्पताल भेजा गया

कौंसाखेड़ी जोड़ पर दो बाइक भिड़ीं, दो गंभीर

बरेली (नि.प्र.)

थाना क्षेत्र अंतर्गत भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 बेरखेड़ी चौराहा के पास कौंसाखेड़ी जोड़ पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस सड़क हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों की मदद से एक घायल युवक को तत्काल निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया।

फोरलेन सड़क की मांग

वहीं दूसरे घायल, जो रायसेन निवासी पप्पू बताए जा रहे हैं, को 108 एंबुलेंस की मदद से सांची सिविल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल पप्पू की गंभीर हालत को देखते हुए उसे विदिशा जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही सलामतपुर पुलिस की डायल 112 टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि हाइवे 18 पर यातायात का बहुत अधिक दबाब हो गया है। यहां से प्रतिदिन दस से पंद्रह हजार छोटे बड़े वाहन निकल रहे हैं। वाहनों की अधिक संख्या के हिसाब से सड़क बहुत सकरी है। जिसे स्थानीय रहवासियों ने 4 लेन करने की मांग शासन प्रशासन से की है।

कोसाखेड़ी खामखेड़ा तिराहे पर बढ़ रहा हादसों का खतरा

रायसेन जिले के भोपाल विदिशा स्टेट हाईवे 18 पर बेरखेड़ी चौराहा के पास कोसाखेड़ी खामखेड़ा जोड़ पर ग्रामीणों ने सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खामखेड़ा तिराहे पर न तो कोई संकेतक बोर्ड है और न ही स्पीड ब्रेकर, जिसके कारण यहां आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों के अनुसार खामखेड़ा तरफ से आने वाले वाहन सीधे हाईवे 18 पर चढ़ जाते हैं, जबकि भोपाल या विदिशा दिशा से आने वाले वाहन चालकों को तिराहा समझ ही नहीं आता। दृश्यता और संकेतों की कमी के चलते कई बार वाहन टकराव की स्थिति बन जाती है। लोगों ने प्रशासन से तुरंत सड़क सुरक्षा उपाय करने की मांग की है। या तो तिराहे पर स्पष्ट संकेत बोर्ड लगाए जाएं या फिर स्पीड ब्रेकर बनाकर वाहनों की रफ्तार नियंत्रित की जाए, ताकि इस तिराहा पर होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।

विद्या निकेतन स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बोर्ड परीक्षाओं में दिखाया जलवा

बरेली (नि.प्र.)

नगर की उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान विद्यानिकेतन स्कूल ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपना जलवा कायम रखते हुए बेहतर परिणाम देते हुए छात्र-छात्राओं उपलब्धियां बिखेरी है।

कक्षा आठवीं से अनन्या छींपा 94 प्रतिशत, कामना ठाकुर 92.5, आयत 91, इलमा खान 90.6, अनन्या ठाकुर 90.5, हरसिद्धि पटेल 90.1, सिद्धि ठाकुर 89.1, समीक्षा धाकड 89, पवनी चौधरी 89, अंशिका धाकड 88.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं, वहीं कक्षा पांचवीं से उत्कर्ष भावसार 86.75, उन्नति कोठिया 85.5, रौनक अहिरवार 84.5, अदीवा खान 84.5, अर्श खान 84, वंशिका छीपा 81.5, रिजा मंसूरी 81.5, श्रद्धा विश्वकर्मा 81.5, लायवा अली 81 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शाला का नाम रोशन किया है। स्कूल के प्राचार्य सहित संस्था के सभी संचालक उत्तीर्ण हुए सभी छात्र-छात्राओं के उज्जल भविष्य की कामना की है।

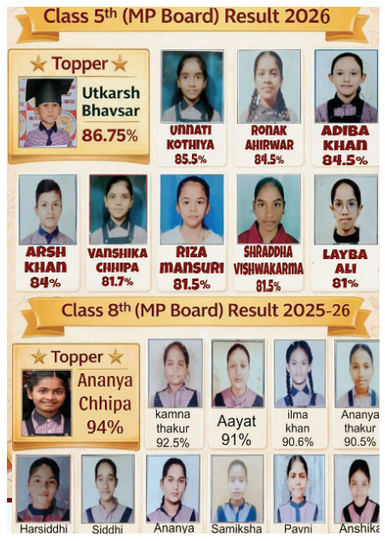

बच्चों को खाने पीने के सामान पर बने निशाने के बारे में भी बतायें

बच्चों को शुरु से ही खाने पीने के सामान पर बने निशाने के बारे में भी जरुरी जानकारी देनी चाहिये। इससे उन्हें सही सामान लेने में सहायता मिलेगी। इसलिए अभिभावकों का काम है कि उन्हें इसके बारे में बतायें। बच्चों को बताये कि पैकेट में किस प्रकार का सामान है उसके जानकारी ये निशान देते हैं।

इसका कारण है कि कुछ लोग शुद्ध शाकाहारी होते हैं। वहीं कुछ मांसाहारी होते हैं। कुछ लोग मीट नहीं खाते लेकिन अंडे खाते हैं।

इसलिए खाने पीने के सामान पर इसके संकेत होते हैं। सामान पर लाल या हरा निशान बना होता है। लोग इसे देखकर जान पाते हैं कि प्रोडक्ट वेज है या नॉन वेज। लाल और हरे के अलावा भी इन पैकेट्स पर कई दूसरे रंग के निशान भी होते हैं। इसमें नीला, पीला और काला शामिल है। इन रंगों का भी काफी महत्व है और इससे उस खाद्य पदार्थ के बारे में कई चीजें पता चलती है।

ये होता है मतलब

अभी तक लोगों को सिर्फ लाल और हरे निशान का ही मतलब पता है। लाल निशान वाली चीजें नॉन वेज होती है जबकि हरी शाकाहारियों के लिए बेस्ट होती है पर कई फ़ूड प्रोडक्ट्स पर नीला, पीला और काला निशान भी होता है। आपको इन रंगों का मतलब शायद ही पता होगा। आपको बता दें कि अगर किसी पैकेट पर नीला निशान है तो इसका मतलब है कि वो प्रोडक्ट मेडिकल से जुड़ा है। अगर इसपर पीला निशान है तो मतलब उसमें अंडा मिला हुआ है. वहीं काले निशान वाली चीजों में कई केमिकल्स मिलाए जाते हैं।

अगर आप किसी खाद्य पदार्थ को खरीद रहे हैं, तो उससे पहले इन निशानों को जरूर चेक कर लें। अगर आपको प्रोडक्ट में काला निशान नजर आता है तो उस चीज को भूल से भी ना खरीदे। काला निशान ये दर्शाता है कि उस खाद्य पदार्थ में जमकर केमिकल्स मिलाए गए हैं।

नाश्ते से लेकर डिनर तक बच्चों को खिलाएं ये हेल्दी चीजें, हमेशा रहेंगे सेहतमंद

बच्चों की सेहत और विकास के लिए सही पोषण बेहद जरूरी है। बढ़ती उम्र में बच्चों को संपूर्ण पोषण देने से उनका शारीरिक और मानसिक विकास तेजी से होता है। लेकिन आजकल के जमाने में बच्चों को हेल्दी खाना खिलाना बहुत मुश्किल काम होता है। कई बार पेरेंट्स की जल्दबाजी में भी बच्चों को हेल्दी ऑप्शन खाना समझकर खिलाते हैं, वो वाकई हेल्दी नहीं होता है।

कि बच्चों को दिन की शुरुआत में होने वाले ब्रेकफास्ट, फिर लंच और डिनर में हेल्दी खिलाया जाए, तो यह उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

1. हरी सब्जियां

काटने और बनाने के चक्कर में पेरेंट्स अक्सर बच्चों को फ्रोजन सब्जियां खाने के लिए दे देते हैं। लेकिन फ्रोजन सब्जियों में कई प्रकार के आर्टिफिशियल कलर्स और केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है। यह चीजें बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं और उनकी ग्रोथ में रुकावट पैदा कर सकती हैं।

2. पोहा, उपमा या वर्मा सिल्ली

बच्चों को ब्रेकफास्ट में कॉर्न फ्लेक्स और पैकेज्ड फूड देने की बजाय घर पर बना पोहा, उपमा और वरामासिल्ली दे सकते हैं। पोहा, उपमा को पकाने के लिए पर्याप्त मात्रा में सब्जियों का इस्तेमाल किया जाता है। सब्जियों में कई प्रकार के मिनरल्स, विटामिन और हेल्दी फैट पाया जाता है। यह पोषक तत्व बच्चों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

3. हलवा और खीर

खाने के बाद अगर आपका बच्चा मीठा खाता है, तो उसे पैकेट में चॉकलेट की बजाय, घर पर बना हुआ हलवा, खीर और पुडिंग दें। बाजार में मिलने वाले चॉकलेट में अतिरिक्त चीनी और प्रोसेसिंग का इस्तेमाल होता है, जो बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचाता है।

4. रोटी

सुबह के ब्रेकफास्ट या शाम के स्नैक्स के तौर पर बच्चों को ब्रेड वाले सैंडविच या ब्रेड जैम देने की बजाय रोटी देने की कोशिश करें। आप चाहें तो रोटी को विभिन्न प्रकार की सब्जियां और साग मिला सकते हैं।

5. पैकेज्ड जूस की बजाय फ्रूट जूस

बच्चों को बाजार में मिलने वाले पैकेज्ड जूस की बजाय घर पर बना हुआ फ्रूट जूस पिलाएं। ताजे फलों के रस में पर्याप्त मात्रा में विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो बच्चों की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

बच्चों के लिए हेल्दी ब्रेकफास्ट ऑप्शन

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में गट और हार्मोन हेल्थ कोच ने बच्चों के लिए कौन से हेल्दी ब्रेकफास्ट ऑप्शन हो सकते हैं, इसकी जानकारी भी दी है। आइए आगे जानते हैं इसके बारे में

1. नट्स और ताजे फलों के साथ पोहा
2. नारियल की चटनी और सांभर के साथ इडली
3. पनीर और सब्जियों से भरा पराठा
4. सब्जियों और मेवों के साथ बाजरा उपमा
5. नारियल की चटनी और सांभर के साथ डोसा
6. एवोकैडो और टमाटर के साथ साबुत अनाज टोस्ट
7. बेसन चीला विद वेजिटेबल स्टफिंग

किचन में चप्पल पहनना बन सकता है दरिद्रता का कारण

हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र में रसोई को घर का सबसे पवित्र स्थान माना गया है। इसे अन्नपूर्णा का वास कहा जाता है, जहां से पूरे परिवार की सेहत और ऊर्जा का संचार होता है। अक्सर हम अपने आधुनिक जीवन में कई ऐसी छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जो हमारे घर की सुख-शांति और बरकत में बाधा बनती हैं। इन्हीं में से एक गंभीर गलती है- किचन में जूते-चप्पल पहनकर प्रवेश करना। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, यह आदत न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह आर्थिक तंगी और दरिद्रता का भी कारण बन सकती है।

किचन में चप्पल क्यों है वास्तु दोष ?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रसोई घर में अग्नि देव का वास होता है और इसे मंदिर के समान पवित्र माना जाता है। जूते-चप्पल बाहर की गंदगी, कीटाणु और नकारात्मक ऊर्जा अपने साथ लाते हैं। जब हम इन्हें पहनकर रसोई में प्रवेश करते हैं, तो उस पवित्र स्थान की सकारात्मकता कम होने लगती है। भोजन को ब्रह्म माना गया है। चप्पल पहनकर भोजन पकाना या परोसना माँ अन्नपूर्णा का अनादर माना जाता है, जिससे घर में धन-धान्य की कमी होने लगती है।

सेहत पर पड़ता है बुरा असर

वैज्ञानिक और स्वच्छता के नजरिए से भी किचन में जूते-चप्पल पहनना वर्जित है। जूतों के तलवों में अनगिनत बैक्टीरिया होते हैं। रसोई की फर्श पर ये कीटाणु फैलकर खाने के जरिए हमारे शरीर में पहुंच सकते हैं, जिससे परिवार के सदस्य बार-बार बीमार पड़ सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पैरों में शनि और जूतों में राहु-केतु का वास माना जाता है। रसोई में इनका प्रवेश कलह और मानसिक तनाव बढ़ा सकता है।

रसोई के लिए जरूरी वास्तु नियम

यदि आप अपने घर में खुशहाली और बरकत बनाए रखना चाहते हैं, तो रसोई से जुड़े इन 5 नियमों का पालन अवश्य करें।

चप्पल रहित रसोई

रसोई की दहलीज पर ही जूते-चप्पल उतारने की आदत डालें। यदि फर्श ठंडा होने के कारण चप्पल पहनना जरूरी हो, तो केवल रसोई के लिए अलग से 'लकड़ी' या 'साफ कपड़े' की चप्पलें रखें जिन्हें बाहर कभी न पहना गया हो।

चूल्हे की सही दिशा

गैस का चूल्हा हमेशा आग्नेय कोण में होना चाहिए। खाना बनाते समय गृहिणी का मुख पूर्व दिशा की ओर होना सबसे शुभ माना जाता है। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और भोजन सात्विक बनता है।

पानी और आग की दूरी

वास्तु के अनुसार, अग्नि और जल एक-दूसरे के शत्रु हैं। इसलिए, सिंक और चूल्हा कभी भी एक-दूसरे के बिल्कुल पास नहीं होने चाहिए। इनके बीच कम से कम 2-3 फीट की दूरी होनी अनिवार्य है।

रात की सफाई है अनिवार्य

रसोई में कभी भी रात के समय जूठे बर्तन नहीं छोड़ने चाहिए। यह सबसे बड़ा वास्तु दोष है जो कर्ज और बीमारी को न्योता देता है। सोने से पहले किचन की प्लेटफॉर्म को साफ करें और बर्तनों को धोकर ही सोएं।

टूटे बर्तन और कबाड़ से दूरी

किचन में कभी भी चटके हुए कांच के बर्तन या टूटी हुई क्रॉकरी न रखें। साथ ही, रसोई में झाड़ू या डस्टबिन को ऐसी जगह रखें जहां वो सीधे नजर न आएं। रसोई को कबाड़ से मुक्त रखने से माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

घर पर बनाएं जादुई नेचुरल फेसवॉश, चेहरा दमकेगा

आप रात में घर का बना नेचुरल फेसवॉश इस्तेमाल करें, क्योंकि इसमें किसी तरह का केमिकल नहीं होता है और इसका कोई साइड-इफेक्ट भी नहीं होगा। ऐसे में आज हम आपको घर पर नेचुरल फेस वॉश बनाने और इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में प्रदूषण, धूल और तनाव की वजह से हमारी स्किन पर बुरा असर होता है। कई लोगों को टैनिंग की समस्या हो जाती है, तो कुछ लोगों के चेहरे की रंगत डाउन हो जाती है। स्किन को ग्लोइंग और सॉफ्ट बनाने के लिए लड़कियां और महिलाएं महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं।

इन दिनों हर लड़की कोरियन ग्लास स्किन पाना चाहती है। ऐसे में आप भी रात को सही तरीके से स्किन को कोरियन स्टाइल में साफ कर सकती हैं। आप रात में घर का बना नेचुरल फेसवॉश इस्तेमाल करें, क्योंकि इसमें किसी तरह का केमिकल नहीं होता है और इसका कोई साइड-इफेक्ट भी नहीं होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर नेचुरल फेस वॉश बनाने और इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

चावल के आटे से बना फेसवॉश

रात में हमारी स्किन खुद को रिपेयर करती है। ऐसे में अगर आप सोने से पहले फेस की अच्छे से सफाई कर लेती हैं, तो हमारी स्किन हाइड्रेटेड रहती है और डेड स्किन हट जाती है। यही कारण है कि कोरियन स्किन केयर में भी माइल्ड क्लींजिंग पर ज्यादा फोकस किया जाता है। इसके लिए चावल के आटे से बना नेचुरल फेस वॉश एकदम सही रहेगा।

सामग्री

चावल का आटा- 1 चम्मच
गुलाब जल- 2 से 3 चम्मच
दूध- 1 चम्मच
शहद- 1 चम्मच

फेस वॉश बनाने और लगाने का तरीका

एक कटोरी में चावल का आटा लें और इसमें दूध और गुलाबजल मिलाएं।

फिर एक स्मूद पेस्ट बना लें।

अब इसमें शहद डालकर पेस्ट बना लें।

रात में सोने से पहले चेहरे को वॉश करें।

फिर इस पेस्ट को फेस पर अप्लाई करें।

करीब 2 मिनट तक हल्के हाथों से फेस की मसाज करें।

अब ठंडे पानी से चेहरे को साफ कर लें।

अब मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं।

फायदे

चावल का आट त्वचा की गहराई से सफाई करता है।

यह त्वचा पर जमी गंदगी को हटाने में मदद करता है।

दूध से त्वचा को पोषण मिलता है और त्वचा सॉफ्ट होती है।

वहीं गुलाबजल से स्किन फ्रेश महसूस करती है और फेस का नेचुरल ग्लो बढ़ता है।

शहद स्किन को ड्राई होने से बचाता है और स्किन में नमी बनाए रखता है।

वहीं इस फेस वॉश का नियमित रूप से इस्तेमाल करने से मुंहासों की समस्या कम हो सकती है। वहीं फेस के दाग-धब्बे हल्के नजर आने लगते हैं। इस फेस वॉश के इस्तेमाल से आपको कोरियन ग्लास स्किन जैसी ग्लोइंग स्किन मिलेगी।

इतनी बार करें इस्तेमाल

बता दें कि इस नेचुरल फेस वॉश को सप्ताह में कम से कम रात के समय तीन बार जरूर इस्तेमाल करें। कुछ सप्ताह में आप पाएंगी कि आपकी स्किन मुलायम, साफ और हेल्दी नजर आएगी। लेकिन इसका इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें।

रात में कई बार नींद से जागता है बच्चा? डॉक्टर की बात पर दें ध्यान

बहुत से पेरेंट्स इस बात से परेशान रहते हैं कि उनका बच्चा रात में कई बार जागता है और फिर से बच्चे को सुलाने के लिए खूब मशक्कत करनी पड़ती है। ऐसे में बच्चों की डॉक्टर की सलाह जरूर सुनें।

रात में कई बार नींद से जागता है बच्चा? डॉक्टर की बात पर दें ध्यान

बच्चों को समझना काफी मुश्किल होता है। खासतौर से तब जब बच्चा बोल नहीं सकता हो। पेरेंट्स अक्सर शिकायत करते हैं कि रात में उनका बच्चा कई बार जागता है और रोने लगता है। बच्चे की इस आदत की वजह से पेरेंट्स की भी नींद पूरी नहीं होती है। ऐसे में बच्चों की डॉक्टर माधवी भारद्वाज ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर बताया है कि कैसे आप रात में बच्चे के बार-बार उठने की आदत को कम कर सकते हैं। जानिए-

क्या कहती हैं डॉक्टर

बहुत से पेरेंट्स शिकायत करते हैं कि उनका बच्चा रात में बार-बार उठता है। जिसकी वजह से पेरेंट्स खासतौर से मां परेशान हो जाती हैं। जिसपर बच्चों की डॉक्टर माधवी कहती हैं कि 2 से 3 साल की उम्र में बच्चे कई बार रात में बहुत बार उठते हैं और कभी कम उठते हैं। अगर आपका बच्चा रात में कई बार उठता है तो जानिए इसे कैसे कम कर सकते हैं।

सबसे पहले इस बात पर करें गौर

बच्चों का स्लीप रूटीन रोजाना एक समय पर होना चाहिए। डेली 8 से 9 बजे के बीच में सुलाएं जिससे सर्केडियन रिदम को मेंटेन किया जा सके। लेकिन अगर आपका बच्चा कभी 10 कभी 12 या 1 बजे सोता है कोई रिदम नहीं है तो शरीर का मेलाटोनिन हार्मोन सर्केडियन रिदम या नींद को ट्रिगर करता है। वहीं अगर बच्चा देर रात तक जगता है तो स्ट्रेस हार्मोन बढ़ता है। जो रात में कई बार जगने का कारण बनता है।

स्लीप रूटीन टाइम पर है तो क्या करें

डॉक्टर कहती हैं कि बच्चे का अगर स्लीप रूटीन सही है लेकिन फिर भी रात में जगता है तो सुलाने से पहले गुनगुने पानी से नहलाएं। ऐसा करने से बच्चा बहुत रिलेक्स हो जाता है। ओवर स्टीम्यूलेशन भी कम होता है, जिससे बच्चे को रात की अच्छी नींद मिलती है और बच्चे का रात में बार-बार उठना भी कम होता है।

सोने से पहले मालिश

बच्चों के जब दांत आ रहे होते हैं तब वह काफी परेशान होता है। इसलिए बच्चे के सोने से पहले फेस, खासतौर से जबड़ों के आसपास की अच्छी तरह से मालिश करें। इसे भी स्लीप रूटीन का

हिस्सा बना सकते हैं।

कमरे में न हो रौशनी

अगर आपको डिम लाइट में सोने की आदत है तो इसे बंद कर दें। क्योंकि बच्चा जैसे जैसे बड़ा होता है लाइट उसे परेशान कर सकती है। कमरे में बिल्कुल अंधेरा करके सोने से बच्चे के बार-बार जागने की आदत अपने आप कम हो जाती है। क्योंकि 5-6 महीने का बच्चा एसी की लाइट को देखकर भी जाग सकता है।

को-स्लीपिंग है बेस्ट

बहुत से बच्चे ऐसे होते हैं जो अपने क्रिब में आराम से सो जाते हैं। लेकिन अगर बहुत बार बच्चा जागता है तो आप उसके साथ सोएं। आपके टच, खुशबू से बच्चा अपनी स्लीप रेगुलेट कर सकता है। अगर आपका बच्चा हर घंटे में सोकर

वेटलिफ्टर निकिता ने दिलाया पहला स्वर्ण

तैराकी में ओडिशा की महिलाओं का दबदबा

रायपुर।

वेटलिफ्टर निकिता ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ को प्रतियोगिता का पहला स्वर्ण पदक दिलाया, जबकि ओडिशा की महिला तैराकों ने तैराकी स्पर्धाओं में तीनों स्वर्ण पदकों पर कब्जा जमाते हुए चौथे दिन खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में अपना दबदबा कायम रखा।आज यहां महिलाओं के 77 किलोग्राम वर्ग में निकिता ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता और मेजबान छत्तीसगढ़ के लंबे इंतजार को खत्म किया।दिन के अंतिम मुकाबले में आई यह जीत राज्य के लिए खास रही।

तैराकी में ओडिशा की श्रेष्ठता साफ नजर आई।रितिका मिंज ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि अंजलि मुंडा ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में बाजी मारी।इसके बाद ओडिशा की टीम ने चार गुणा 100 मीटर रिले में भी स्वर्ण जीतकर दिन का शानदार समापन किया।अंजलि मुंडा इस प्रतियोगिता की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक रहीं, जिन्होंने कुल पांच स्वर्ण पदक जीते, जिनमें से चार व्यक्तिगत स्पर्धाओं में आए।अरुणाचल प्रदेश ने भी पदक तालिका में मजबूती दिखाई और पुरुषों की वेटलिफ्टिंग स्पर्धाओं में दोनों स्वर्ण पदक जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की। वहीं, असम के लिए यह दिन खास रहा, जहां भाई-बहन निबिर क्रो और वायोलिना क्रो ने क्रमशः स्वर्ण

और कांस्य पदक जीतकर राज्य का मान बढ़ाया।

कर्नाटक शीर्ष पर

पदक तालिका में कर्नाटक 15 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य पदकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है।ओडिशा दूसरे स्थान पर है, जबकि असम तीसरे स्थान पर काबिज है।मेजबान छत्तीसगढ़ एक स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य सहित कुल आठ पदकों के साथ सातवें स्थान पर है। कर्नाटक ने तैराकी प्रतियोगिता का समापन 15 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य पदकों के साथ किया। कर्नाटक के मणिकांत एल ने 8 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि धनीश एम ने 5 स्वर्ण और 1 रजत पदक अपने नाम किए।महिला वर्ग में कर्नाटक की मेघांजलि ने 4 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक जीते।

छत्तीसगढ़ के खेल प्रेमी तैराकी में चार रजत और तीन कांस्य पदक मिलने के बाद स्वर्ण पदक का इंतजार कर रहे थे, जिसे निकिता ने पं. रविशंकर विश्वविद्यालय के खुले मैदान में आयोजित महिलाओं के 77 किलोग्राम वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए पूरा किया।

पदक तालिका में पहुंचने की दौड़

पुरुष वर्ग में अरुणाचल प्रदेश के रूबा ताडू (88 किग्रा) और लालू ताकू (94 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने राज्य को पदक तालिका में शीर्ष तीन में पहुंचने की दौड़ में मजबूत किया। ताडू ने 274 किलोग्राम और ताकू ने 250 किलोग्राम का कुल वजन उठाया।तैराकी प्रतियोगिता में असम के भाई-बहन निबिर क्रो और वायोलिना क्रो ने क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। निबिर ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में 31.31 सेकंड का समय लेकर कर्नाटक के धनीश एन (31.39 सेकंड) को पीछे छोड़ा।इससे पहले वायोलिना ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 1:16.62 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि ओडिशा की रितिका मिंज (1:12.93 सेकंड) और कृष्णा प्रिया नायक (1:15.77 सेकंड) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए।

धोनी आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर हुए

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों से बाहर हो गये हैं। धोनी के बाहर होने से टूर्नामेंट शुरु होने से पहले ही सीएसके की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि धोनी टीम का हौंसला बढ़ाने के साथ ही उसे मार्गदर्शन भी देते रहे हैं। वह पिंडली में आये खिंचाव के कारण अभी रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनका शुरुआत से खेलना संभव नहीं है। सीएसके का मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स से होगा। इसमें टीम को उनकी कमी खलेगी। धोनी के बाहर होने से साफ है कि अब सैमसन उनकी जगह पर विकेटकीपर रहेंगे। सीएसके अपना पहला मुकाबला सोमवार को राजस्थान रॉयल्स ये खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया समेत चार टीमों की मेजबानी करेगा भारत

बीसीसीआई ने जारी किया घरेलू सीजन 2026-27 का पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के घरेलू सीजन 2026-27 का शेड्यूल घोषित कर दिया है। इस सीजन में भारत कुल 17 शहरों में 22 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगा और आस्ट्रेलिया समेत चार टीमों की मेजबानी करेगा। टीम इंडिया का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है। आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप 2026 के बाद खिलाड़ी सीधे इंडियन प्रिमियर लीग (आईपीएल) 2026 में हिस्सा लेंगे, जिसकी शुरुआत 28 मार्च से होगी। आईपीएल के बाद जून में भारतीय टीम एक टेस्ट और तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी, जबकि जुलाई में उसे इंग्लैंड दौरे पर जाना है, जहां पांच टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

इंग्लैंड दौरे से लौटने के बाद घरेलू सीजन का आगाज 27 सितंबर से वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज से होगा। इस दौरे में तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेले जाएंगे। वनडे मुकाबले त्रिवेंद्रम, गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में होंगे, जबकि टी20 मैच लखनऊ, रांची, इंदौर, हैदराबाद और बेंगलुरु में आयोजित किए जाएंगे। टीम की कप्तानी शुभमन गिल के हाथों में होगी। इसके बाद दिसंबर 2026 में श्रीलंका की टीम भारत दौरे पर आएगी। इस दौरान तीन वनडे और तीन

टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। वनडे मैच दिल्ली, बेंगलुरु और अहमदाबाद में होंगे, जबकि टी20 सीरीज राजकोट, कटक और पुणे में आयोजित की जाएगी। नए साल 2027 की शुरुआत जिम्बाब्वे के दौरे से होगी। जिम्बाब्वे की टीम जनवरी में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलने भारत आएगी, जिसके मुकाबले कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में खेले जाएंगे। यह सीरीज 3 जनवरी से 9 जनवरी तक चलेगी। सीजन का समापन प्रतिष्ठित बार्डर-गावस्कर ट्राफी के साथ होगा, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज का पहला मुकाबला 21 जनवरी 2027 से नागपुर में शुरू होगा, जबकि बाकी मैच चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। कुल मिलाकर, यह घरेलू सीजन भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद अहम और व्यस्त रहने वाला है, जिसमें फैंस को देश के अलग-अलग शहरों में हाई-वोल्टेज मुकाबले देखने को मिलेंगे।

टाइगर वुड्स नशे में गाड़ी चलाने के बाद गिरफ्तार

आठ घंटे बाद हुए रिहा

न्यूयॉर्क। विश्व के शीर्ष गोल्फरों में शामिल रहे अमेरिका के टाइगर वुड्स को नशे में गाड़ी चलाने के कारण गिरफ्तार किया गया है हालांकि उन्हें आठ घंटे के बाद जमानत पर रिहा भी कर दिया गया। वुड्स पर आरोप है कि नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए उनकी कार फ्लोरिडा में अपने घर के करीब ही पलट गयी थी। उन्हें गिरफ्तार किये जाने के कुछ ही समय के बाद फ्लोरिडा की एक जेल से रिहा कर दिया गया। वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार फ्लोरिडा के कानून के अनुसार, वुड्स को कम से कम आठ घंटे जेल में बिताने पड़े। शुरुआती रिपोर्ट्स में मार्टिन काउंटी पुलिस के हवाले से कहा गया है कि जब वुड्स दोपहर करीब 2 बजे एक फ्लैटबेड ट्रक को तेजी से ओवरटेक करने की कोशिश कर रहे थे, तब उनकी लैंड रोवर कार पलट गई। उस समय नशे में थे।

उन्होंने पुलिस से जांच में सहयोगी भी नहीं किया और यूरीन जांच के लिए तैयार नहीं हुए। गिरफ्तारी के बाद वुड्स नशे में दिखे। मार्टिन काउंटी पुलिस ने शाम को वुड्स की एक गिरफ्तारी के समय ली गई तस्वीर जारी की, जिसमें उनकी आंखें लाल दिखाई दे रही थीं। उन्हें फ्लोरिडा की मार्टिन काउंटी जेल ले जाया गया था।

मार्टिन काउंटी के शेरिफ जॉन बुर्डेसिएक ने कहा वुड्स एक लैंड रोवर चला रहे थे। घर के पास एक सड़क पर एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में उनकी गाड़ी पलट गई। गाड़ी एक ट्रेलर से टकराई, सड़क से हट गई, और सड़क पर कुछ दूर घिसटने के बाद पलट गई। वुड्स पर पहले भी सड़क पर लापरवाही से गाड़ी चलाने के मामले दर्ज हैं।हैं। इससे पहले फरवरी 2021 में उनका एसयूवी लॉस एंजिलिस की एक तटीय सड़क पर तेज रफ्तार में नियंत्रण से बाहर होकर सड़क से उतर गया था, जिसमें वह घायल भी हो गये थे।

वनडे क्रिकेट की पहली हैट्रिक: जलालुद्दीन ने रचा था इतिहास

नई दिल्ली। साल 1971 में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत हुई थी और तब से इस फॉर्मेट में कई बदलाव देखने को मिले हैं। समय के साथ बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में नए-नए कीर्तिमान बने, लेकिन कुछ रिकॉर्ड ऐसे होते हैं जो हमेशा इतिहास के पन्नों में दर्ज रहते हैं। ऐसा ही एक खास रिकॉर्ड है हैट्रिक लेने का, जो किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। क्रिकेट में जब कोई गेंदबाज लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट हासिल करता है, तो उसे हैट्रिक कहा जाता है। यह न सिर्फ मैच का रुख बदलने वाला पल होता है, बल्कि गेंदबाज के करियर का भी एक यादगार क्षण बन जाता है। वनडे क्रिकेट में पहली हैट्रिक का रिकॉर्ड जलालुद्दीन के नाम दर्ज है। पाकिस्तान के इस तेज गेंदबाज ने साल 1982 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की थी।

भारतीय रिले टीमों ने विश्व एथलेटिक्स रिले के लिए किया क्वालिफाई

चंडीगढ़।

भारतीय रिले टीमों ने शनिवार को पहले इंटरनेशनल इनविटेशनल रिले और तीसरे नेशनल ओपन रिले कॉम्पिटिशन 2026 में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए मई में बोत्सवाना के गैबोरोन में होने वाले वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले के लिए क्वालिफाई कर लिया।इस मीट का मुख्य आकर्षण मिक्स्ड चार गुणा 100 मी रिले रहा, जिसमें इंडिया बी की चौकड़ी ने 42.30 सेकंड का शानदार समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता और एक नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया, जो पिछले रिकॉर्ड 43.44 सेकंड से बेहतर था।इंडिया ए ने 42.34 सेकंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया। गुरिंदरवीर सिंह और तमिलारासु जैसे एथलीटों वाली इन दोनों टीमों ने बैटन के सहज आदान-प्रदान

और तेज रफ्तार से दर्शकों को बेहद प्रभावित किया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में नेपाल, मालदीव, भूटान और श्रीलंका की टीमों ने भी हिस्सा लिया।

भारत ने सीनियर मिश्रित चार गुणा 400 मी रिले में भी स्वर्ण पदक जीता, और 3:18.90 के समय के साथ श्रीलंका से आगे रहा।एक और शानदार प्रदर्शन में, भारत की मिश्रित चार गुणा 100 मी रिले टीम (जिसमें लालू प्रसाद, उन्नति, हरिता और जयराम शामिल थे) ने नेशनल ओपन रिले 2026 में 42.30 सेकंड का समय निकालकर एक नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया।

इस प्रतियोगिता में युवा रिले टीमों ने भी अपनी छाप छोड़ी।तमिलनाडु की महिला टीम ने अंडर 20 महिला चार गुणा 100मी रिले में अपना दबदबा बनाया और 48.38 सेकंड के समय के साथ यह इवेंट जीता, जबकि चंडीगढ़ ने अंडर 20 मिश्रित चार गुणा 100मी रिले का ख़िताब 45.44 सेकंड में अपने नाम किया।

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) के अनुसार, बोत्सवाना में होने वाले वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले में छह प्रतियोगिताएं होगी।पुरुषों और महिलाओं की चार गुणा 100 मी, पुरुषों और महिलाओं की चार गुणा 400 मी, साथ ही मिश्रित चार गुणा 100 मी और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले।वर्ल्ड एथलेटिक्स के दिशानिर्देशों के अनुसार, क्वालिफिकेशन पीरियड 1 जनवरी, 2025 को शुरू हुआ और 5 अप्रैल, 2026 को समाप्त होगा। रोड टू गैबोरोन पर वर्ल्ड रैंकिंग में शीर्ष 24 टीमें इस प्रतियोगिता में जगह बनाएंगी।

आस्ट्रेलिया से डब्ल्यूटीओ के मत्स्य कोष को 20 लाख आस्ट्रेलियायी डॉलर की अतिरिक्त सहायता

नयी दिल्ली। आस्ट्रेलिया ने विश्व व्यापार सगठन (डब्ल्यूटीओ) के मत्स्य कोष में 20 लाख आस्ट्रेलियायी डॉलर का अतिरिक्त योगदान किया है।यह जानकारी डब्ल्यूटीओ की आधिकारिक वेबवाइट पर एक ताजा रिपोर्ट में दी गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है, आस्ट्रेलिया की सरकार ने डब्ल्यूटीओ फिश फंड (मत्स्य पालन वित्तपोषण तंत्र) में 20 लाख अस्ट्रेलियायी डॉलर का अतिरिक्त योगदान करने की प्रतिबद्धता जताई है।इसका उद्देश्य विकासशील और सबसे कम विकसित सदस्य देशों को मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते को लागू करने में सहायता प्रदान करना है। आस्ट्रेलिया ने इससे पहले मई 2023 में इस कोष में 20 लाख आस्ट्रेलियायी डालर का योगदान किया था।

डब्ल्यूटीओ के 2022 के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में मत्स्य उद्योग-व्यापार पर एक आंशिक समझौता अपनाया गया था जिसमें गैर-कानूनी, बेहिसाब और अनियमित मछली पकड़ने पर सब्सिडी पर रोक लगाने का प्रावधान है।इसमें किसी एक समुद्री क्षेत्र से मछली पकड़ने की अतिशय क्रियाओं का आंशिक समाधान भी शामिल है।क्षमता से अधिक गतिविधियों और ज़रूरत से ज़्यादा मछली पकड़ने से जुड़ी सब्सिडी पर बातचीत अभी भी चल रही है, जहाँ भारत अपने छोटे मछुआरों के हितों को लेकर चिंतित है। भारत का कहना है कि विकासशील देशों को उस समस्या के लिए सज़ा न दी जाए, जिसे ज़्यादातर विकसित देशों ने पैदा किया है।

आईफोन-15 और 16 जैसे पुराने मॉडल्स 5 हजार तक होंगे महंगे

एपल ने इंसेंटिव देना बंद किया, रिटेलर्स ग्राहकों से वसूलेंगे यह कीमत

नई दिल्ली।

भारत में अब पुराने आईफोन खरीदने पर ग्राहकों को ज्यादा पैसे चुकाने पड़ सकते हैं। एपल ने आईफोन 15 और 16 जैसे पुराने मॉडल्स पर रिटेलर्स को डिमांड जनरेशन सपोर्ट यानी इंसेंटिव देना बंद करने का फैसला किया, जिससे कीमतें करीब 5,000 रुपए तक बढ़ सकती हैं। मनीकंट्रोल के मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह फैसला इसी हफ्ते लागू हो सकता है। हाल ही में कैशबैक ऑफर्स 6,000 से घटाकर 1,000 रुपए किए गए थे, जिससे आईफोन 17 सीरीज महंगी हुई और अब पुराने

मॉडल्स की कीमतें भी बढ़ जाएंगी।

मार्केट सोर्सेज के मुताबिक, डिमांड जनरेशन यानी छत्र सपोर्ट एक इंसेंटिव है जो ब्रांड्स रिटेलर्स और चैनल पार्टनर्स को देते हैं, जिससे वे ग्राहकों को डिस्काउंट देकर डिमांड बढ़ाते हैं। एमआरपी बदले बिना भी इस सपोर्ट से फोन सस्ते मिलते थे। अब सपोर्ट बंद होने से रिटेलर्स पहले जैसा डिस्काउंट नहीं दे पाएंगे और ग्राहकों का फाइनल बिल बढ़ेगा।सूत्रों के मुताबिक, डीजी सपोर्ट हटाना केवल पुराने मॉडल्स के लिए है और आईफोन 17 लाइनअप की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। जानकारों के अनुसार, एपल ने अपनी फ्लैगशिप सीरीज की स्क्रीन नहीं बढ़ाई, जबकि अन्य कंपनियों ने कीमतें बढ़ाई हैं।

सैमसंग-वीवो समेत अन्य एंड्रॉइड फोन भी महंगे

एपल ही नहीं सैमसंग, ओप्पो, वीवो, रियलमी, शाओमी, मोटोरोला और नथिंग जैसे ब्रांड्स ने नवंबर से कीमतें बढ़ाई हैं। मार्च में भी कई मॉडल्स महंगे हुए हैं। कंपनियों के अनुसार, मेमोरी और स्टोरेज महंगे होने से इनपुट कॉस्ट बढ़ी है। मुनाफा बनाए रखने के लिए कई कंपनियों ने सेल्स टारगेट में 20 प्रतिशत तक कटौती की है।

चावल, गेहूं, चीनी, दालें नरम, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल की औसत कीमत घट गयी।चावल के साथ गेहूं, चीनी और दालों में भी नरमी रही जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 10 रुपये गिरकर 3,852 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। गेहूं 15 रुपये सस्ता हुआ और 2,797 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे की कीमत चार रुपये बढ़ी।दाल-दलहनों में नरमी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 160 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी।मसूर दाल 90 रुपये और उड़द दाल

56 रुपये सस्ती हुई। चना दाल का भाव 47 रुपये और मूंग दाल का 24 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया।स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 221 रुपये फिसल गयी। मूंगफली तेल 193 रुपये और वनस्पति 102 रुपये सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल में 79 रुपये और सरसों तेल में सात रुपये की गिरावट देखी गयी।सोया तेल 49 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 62 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया।चीनी भी 17 रुपये सस्ती हुई।

रूस 4 महीने तक नहीं बेचेगा पेट्रोल

1 अप्रैल से बैन शुरू; भारत पर कम, चीन-तुर्किये और ब्राजील पर ज्यादा असर

मॉस्को। रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर रोक का फैसला किया है। उप-प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने ऊर्जा मंत्रालय से इस प्रस्ताव को तैयार करने को कहा। रूस के मुताबिक यह कदम घरेलू सप्लाई बनाए रखने और कीमतें नियंत्रित रखने के लिए है। नोवाक ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे इजराइल-ईरान जंग की वजह से ग्लोबल तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्शन बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। इससे कीमतों में उतार-चढ़ाव हो रहा है।

रूस रोजाना 1.2 से 1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। निर्यात रोकने से चीन, तुर्किये, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर जैसे देशों पर असर पड़ सकते हैं। ये देश रूसी तेल उत्पादों के बड़े

खरीदार हैं। भारत पर असर कम होगा क्योंकि वह पेट्रोल नहीं, कच्चा तेल खरीदता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत सीधेतौर पर पेट्रोल जैसे तैयार ईंधन पर ज्यादा निर्भर नहीं है, बल्कि कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) पर निर्भर है। क्रूड ऑयल को ही रिफाइन कर पेट्रोल और डीजल बनाए जाते हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 80 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से लगभग 20 प्रतिशत रूस से आता है। भारत बहुत कम मात्रा में पेट्रोल या अन्य तैयार ईंधन आयात करता है। इसके बजाय देश अपने बड़े रिफाइनरी नेटवर्क के जरिए कच्चे तेल को खुद प्रोसेस करता है। यही वजह है कि रूस के पेट्रोल निर्यात पर लगी रोक का भारत पर सीधा असर पड़ने की संभावना बहुत कम है। भारत रोजाना करीब 56 लाख बैरल कच्चा तेल रिफाइन करता है। यह न सिर्फ अपनी घरेलू जरूरत पूरी करता है, बल्कि तैयार ईंधन का निर्यात भी करता है।

हालांकि एक्सपर्ट्स का यह भी मानना है कि रूस के फैसले से अगर वैश्विक सप्लाई पर असर पड़ता है, तो कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। पहले से ही जंग के कारण तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं।

ओरिएंटल इंश्योरेंस ने एक साल में प्रीमियम से जुटाये 20 हजार करोड़

नयी दिल्ली। ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी (ओआईसीएल) ने वित्त वर्ष 2025-2026 में सकल प्रीमियम के रूप में 20,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह वृद्धि ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट, स्वास्थ्य, फायर और मोटर बीमा पोर्टफोलियो से प्राप्त मजबूत योगदान के कारण संभव हुई है।

हाल के वर्षों में कंपनी ने ओरिएंटल संपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा, ड्रोन बीमा, इवेंट बीमा और कस्टम ड्यूटी बीमा जैसी नवाचारी पेशकशों के साथ अपने उत्पादों के पोर्टफोलियो को मजबूत किया है। मंत्रालय ने कहा कि यह उपलब्धि बीमाधारकों, मध्यस्थों और हितधारकों के ओआईसीएल पर बढ़ते विश्वास को दर्शाती है तथा व्यापक रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा संस्थाओं में भरोसे को भी रेखांकित करती है। यह सरकार के साल 2047 तक सबको बीमा के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है।

अपने पास 100-मिलियन डॉलर से ज्यादा नहीं रख सकेंगे बैंक

रुपए में लगातार गिरावट को रोकने के लिए आरबीआई का निर्देश, इससे विदेशी सामान सस्ते होंगे

नई दिल्ली।

भारतीय रिर्जव बैंक ने निर्देश दिया है कि बैंक अब हर दिन अपने पास 100 मिलियन डॉलर (करीब 950 करोड़ रुपए) से ज्यादा नहीं रख सकेंगे। इससे पहले बैंक हर दिन 300 से 500 मिलियन डॉलर (2,845-4,743 करोड़ रुपए) होल्ड कर रहे थे। फॉरेक्स एनालिस्ट के मुताबिक, निर्देश का असर यह होगा कि बैंक अब उनके पास मौजूद एक्स्ट्रा डॉलर को मार्केट में बेचेंगे तो इससे रुपया मजबूत होगा। जिससे विदेशी सामान खरीदना, विदेश में पढ़ना और घूमना सस्ता हो सकता है। इसके अलावा मोबाइल, लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट्स भी सस्ते हो सकते हैं। आरबीआई के

यह निर्देश जारी करने के एक दिन पहले ही रुपया डॉलर के मुकाबले 94.59 के अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा है।

रुपए में गिरावट को देखते हुए आरबीआई ने लिया फैसला

आरबीआई ने डॉलर के मुकाबले रुपए में आ रही गिरावट और बाजार की अस्थिरता को देखते हुए यह फैसला लिया है। निर्देश जारी करते हुए आरबीआई ने सभी बैंकों को कहा कि वे हर कारोबारी दिन के आखिरी में ऑनशोर डिलीवरेबल मार्केट में भारतीय मुद्रा पर अपनी नेट ओपन पोजिशन को 100 मिलियन डॉलर के अंदर सीमित रखें। यानी बैंकों को हर कारोबारी दिन के आखिरी में अपने फॉरेन करेंसी एक्सपोजर को इसी दायरे में रखना होगा।

बैंकों को 10 अप्रैल तक का समय दिया

आरबीआई ने सभी ऑथराइज्ड फॉरेन एक्सचेंज डीलर्स को इस नए नियम का पालन करने के लिए 10 अप्रैल तक का समय दिया है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एफएक्स एनालिस्ट दिलीप परमार के मुताबिक, इस कदम से शेयर बाजार में बैंकों की डॉलर में ली जाने वाली लॉन्ग पोजीशन (सट्टेबाजी) कम होगी। इससे बाजार खुलने पर रुपए में होने वाली अचानक और बड़ी गिरावट को रोकने में मदद मिलेगी।

नेहरू नगर में 31.84 लाख की लागत से बनेगा भव्य 'मंगल भवन', निगम अध्यक्ष ने किया भूमिपूजन

भोपाल। राजधानी के नेहरू नगर क्षेत्र में जल्द ही सामाजिक और धार्मिक आयोजनों के लिए एक नया और सुसज्जित केंद्र उपलब्ध होगा। शनिवार को नगर पालिक निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने डी-सेक्टर में प्रस्तावित मंगल भवन का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कथावाचक नवलदास दीक्षित जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सामाजिक एकता का केंद्र बनेगा भवन : भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा कि यह मंगल भवन नेहरू नगर और आसपास के क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है। उन्होंने कहा, यह भवन केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि सामाजिक और धार्मिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा। इससे स्थानीय लोगों को वैवाहिक और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए एक व्यवस्थित स्थान मिलेगा, जो समाज को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा।

लगभग 31.84 लाख की लागत से बनने वाले इस भवन के लिए सूर्यवंशी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य समय सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। भवन के डिजाइन में पर्याप्त हवा और रोशनी (वेंटिलेशन) का ध्यान रखा जाए। पिलर्स की संख्या को संतुलित रखा जाए ताकि बड़े आयोजनों के लिए अधिकतम स्पेस मिल सके। भवन का बाहरी हिस्सा (एलिवेशन) आधुनिक और आकर्षक बनाया जाए।

इंस्टाग्राम फ्रेंड ने महिला के साथ किया दुष्कर्म, डरा-धमकाकर ले गया था होटल

भोपाल। राजधानी के मंगलवारा थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया के जरिए हुई दोस्ती के बाद एक महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़िता को बदनाम करने और उसके पति की हत्या की धमकी देकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, टीला जमालपुर निवासी 29 वर्षीय महिला शुक्रवार रात करीब 11.30 बजे मालीपुरा स्थित चिरायु अस्पताल में भर्ती अपने एक रिश्तेदार को देखकर घर लौट रही थी। इसी दौरान उसके इंस्टाग्राम फ्रेंड हारिस खान का फोन आया। हारिस ने उसे मिलने के लिए दबाव बनाया और मना करने पर बदनाम करने की धमकी दी। जब महिला मनोहर डेयरी के पीछे पहुंची, तो आरोपी ने उसे वहां रोक लिया और पति को जान से मारने की धमकी देकर उसी के दोपहिया वाहन पर जबरन बैठाकर हमीदिया रोड स्थित एक होटल ले गया।

बंधक बनाकर किया दुष्कर्म : आरोपी ने होटल के कमरे में महिला को करीब दो घंटे तक बंधक बनाए रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान परिजन लगातार महिला को फोन करते रहे, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं किया। रात करीब 2.30 बजे जब महिला घर पहुंची, तो उसने पति और सास-ससुर को पूरी आपबीती सुनाई।

गैंगरेप की चर्चा, पर बयानों में एक आरोपी की पुष्टि : शुरुआत में परिजनों ने चार युवकों द्वारा कार से अगवा कर गैंगरेप करने के आरोप लगाए थे। मामला पहले हनुमानगंज थाने पहुंचा, लेकिन घटनास्थल मंगलवारा क्षेत्र का होने के कारण केस वहां ट्रांसफर किया गया। पुलिस द्वारा लिए गए बयानों में पीड़िता ने गैंगरेप की बात से इनकार करते हुए केवल हारिस खान द्वारा वारदात को अंजाम देने की पुष्टि की है।

पुलिस की कार्रवाई : मंगलवारा थाना प्रभारी अजय सोनी के मुताबिक आरोपी हारिस खान, डीआईजी बंगला इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर धारा 376 (दुष्कर्म) और अन्य संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें रवाना कर दी गई हैं और जल्द ही उसे हिरासत में ले लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव वनों की समृद्धि और जैव विविधता के प्रति संवेदनशील

मुख्यमंत्री ने अपने जन्म दिवस पर भी इस प्रतिबद्धता को दोहराया

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के वन और जल स्त्रोतों को समृद्ध बनाकर वन्य प्राणियों तथा जंगली जीवों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। जन्म दिवस वाले दिन कछुओं को विमुक्त कर उन्होंने जैव विविधता संरक्षण के प्रति अपनी संवेदनशीलता प्रकट की। उल्लेखनीय है कि जल संरचनाओं को स्वच्छ बनाए रखने और जलीय जैव विविधता के संतुलन में यह कछुएं महत्वपूर्ण भूमिका हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जन्म दिवस पर सागर जिले के वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व नौरादेही में संरक्षित प्रजाति के कछुओं को जल में विमुक्त किया। इस दिन चीतों के पुनर्वास के लिए बनने वाले विशेष बाड़े का पूजन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रकृति और वन्य जीवों की सेवा को ही ईश्वर की सेवा के समान माना है। उनका मानना है कि वन्य और जलीय जीव, जैव विविधता के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके साथ ही इनकी उपस्थिति से वनों और जल संरचनाओं के संरक्षण में भी मदद मिली है तथा प्रदेश के पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलता है। यह गतिविधियां रोजगार सृजन का माध्यम बनती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इस दृष्टिकोण का परिणाम है कि अपने जन्मदिवस पर भी उन्होंने प्रदेश के वन विकास और जल संरचनाओं के संरक्षण के लिए गतिविधियां संचालित कीं।

वैज्ञानिक गतिविधियां संचालित की जा रही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की वनों के प्रति इस संवेदनशीलता के परिणामस्वरूप राज्य सरकार वनों को आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ उत्पादक और सम-सामयिक दृष्टि से उपयोगी संसाधनों के स्त्रोत के रूप में सौंपना चाहती हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में वन्य जीव संरक्षण, वन संरक्षण के साथ ही सामुदायिक वानिकी और आजीविका, पर्यावरण, पर्यटन और प्रकृति शिक्षा, कार्बन एवं पारिस्थितिकीय तंत्र, वन भूमि के बाहर हरित आच्छादन बढ़ाने की दिशा में वैज्ञानिक रणनीति से गतिविधियां संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि नदियां प्रदेश के वन केवल राज्य ही नहीं, अपितु राष्ट्र की महत्वपूर्ण धरोहर हैं, क्योंकि प्रदेश के वन देश की कई प्रमुख नदियों के उद्गम क्षेत्र हैं। इस दृष्टि से हमारे वनों से निकली नदियां कई राज्यों की जल सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। वनों की सुरक्षा केवल पर्यावरणीय दायित्व ही नहीं है अपितु यह हमारी सामाजिक और आर्थिक अनिवार्यता भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सामुदायिक सहभागिता से वनों के प्रबंधन पर विशेष बल देते हैं। इसके दृष्टिगत प्रधानमंत्री श्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत@2047 के लक्ष्य की पूर्ति में प्रदेश की ओर से हरसंभव योगदान देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा विजनड्ड2047 री-इमेजिनिंग फॉरेस्ट रिसोर्सेस फॉर द क्लाइमेट रेसिलियंट फ्यूचर नामक डॉक्यूमेंट का गति ?दिवस विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा वन प्रबंधन में बदलते वर्षा पैटर्न, बढ़ते तापमान, भूमि उद्योग के दबाव के दृष्टिगत पारिस्थितिकी आधारित, जलवायु अनुकूल, विज्ञान आधारित दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया जा रहा है। प्रदेश में वन आश्रित समुदायों को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं अपितु वन संसाधनों के सहप्रबंधक और संरक्षक के रूप में देखा जा रहा है। व्यवस्थाएं इस आधार पर विकसित की जा रही हैं कि जब समुदायों को वनों से प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा तो वे वनों के सर्वाधिक सशक्त संरक्षक बनेंगे। यह विचार समावेशी विकास को बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में वनों के प्रबंधन में डिजिटल प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता, कार्यकुशलता और जवाबदेही पूर्ण व्यवस्था को भी सशक्त किया जा रहा है।

धरती माता और भावी पीढ़ी को स्वस्थ रखने के लिए करें प्राकृतिक खेती : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

कृषि एवं विज्ञान में नवाचार विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कृषि महाविद्यालय रीवा में विकसित भारत 2047 के लिए विज्ञान और कृषि में नवाचार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है।

हम वर्तमान में विपुल अन्न और फल सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। उत्पादन बढ़ाने के लिए हमने खाद और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग किया है, जिसके कारण धरती माता बीमार हो गई हैं। धरती माता को स्वस्थ रखना और भावी पीढ़ी को स्वस्थ जीवन देने के लिए प्राकृतिक खेती इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है । गोपालन पर आधारित प्राकृतिक खेती से ही हमें अच्छे स्वास्थ्य की नेमत मिलेगी। हर किसान अपनी कुल जमीन के दस प्रतिशत भाग पर प्राकृतिक विधि से अनाज फल और सब्जी का उत्पादन करें जिससे कम से कम उसके परिवार को रसायन रहित पौष्टिक आहार मिल सके। सेमिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर, एकेएस यूनि ?वर्सिटी तथा श्याम दुलारे तिवारी शिक्षा एवं शोध संस्थान द्वारा किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह जी ने बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में प्राकृतिक खेती के प्रकल्प का शुभारंभ किया। उन्होंने प्राकृतिक खेती के लिए किया जा रहे प्रयासों की सराहना की।

जैविक खाद और दवाओं का उपयोग करना होगा

रासायनिक खाद और कीटनाशकों के स्थान पर जैविक विधि से बनाई खाद व कीटनाशकों का उपयोग करना होगा, जिससे धरती का स्वास्थ्य और मानव के लिए हितकारी जीवाणु, कीट और पक्षी रह सकें। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर पीके मिश्रा ने कहा कि कोरोना काल ने हमें प्रकृति की ओर लौटने और प्राकृतिक खेती को अपनाने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। हमारा अस्तित्व तभी तक है जब तक हम प्रकृति के अनुसार आचरण करेंगे। निर्माण कार्यों, बड़े बांध, खनन परियोजनाओं से वनों का विनाश होने के साथ-साथ खेती की जमीन घट रही है। साथ ही पूरी दुनिया में जल संकट की आहट है। युवा, कृषि वैज्ञानिक और शोधकर्ताओं के कंधों पर इन संकटों को दूर करने की जिम्मेदारी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में भोपाल संभाग में जल संरक्षण और संवर्धन के लिये चल रही व्यापक गतिविधियां

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। भोपाल संभाग के सभी जिलों में जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 का शुभारंभ हो गया है। आगामी 30 जून 2026 तक चलने वाले इस अभियान के तहत संभाग के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिये आमजन को जागरूक करने के साथ ही जल संरचनाओं की सफाई, मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्य किए जा रहे हैं।

भोपाल जिले में जलशक्ति से नवभक्ति : भोपाल जिले में केरवा डैम में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। बैरसिया विकासखंड के ग्राम पंचायत तरावली कलां में जल शक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें माताजी के मंदिर प्रांगण में वृक्ष पूजन किया गया और जल संरक्षण की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। भोपाल नगर निगम द्वारा शहर की 22 ऐतिहासिक बावड़ियों को संरक्षित और पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है। कोलांस नदी के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है।

रायसेन में जन सहभागिता से हो रहे कार्य : अभियान के तहत रायसेन जिले में भी मुख्यत: जन-जागरूकता अभियान, नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भू-जल संवर्धन, पहले से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ-सफाई, मरम्मत, जल वितरण प्रणालियों की साफ-सफाई, राजस्व रिकार्ड में जल संग्रहण संरचनाओं को अंकित करने का कार्य प्राथमिकता से कराया जा रहा है।

एम्स के सामने मौत का निर्माण

दो नोटिस के बाद भी सीना तानकर खड़ी थी अवैध मंजिल, छज्जा गिरने से 8 घायल

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। राजधानी के एम्स अस्पताल के ठीक सामने शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन इमारत की चौथी मंजिल का छज्जा अचानक ढहने से नीचे खड़े 8 लोग मलबे में दब गए। इस हादसे ने नगर निगम की कार्यप्रणाली और अवैध निर्माणों पर उसकी कागजी कार्रवाई की कलई खोलकर रख दी है। सडाना मेडिकल स्टोर के ऊपर हो रहे इस निर्माण को निगम ने जनवरी और मार्च में दो बार नोटिस दिया था, लेकिन रसूख और लापरवाही के बीच काम धड़ल्ले से जारी रहा।

सुबह करीब 11.30 बजे जब एम्स रोड पर मरीजों और तीमारदारों की भारी भीड़ थी, तभी एक तेज धमाके के साथ निर्माणाधीन चौथी मंजिल का छज्जा नीचे आ गिरा। छज्जा सीधे मेडिकल स्टोर के सामने लगे टीन शेड पर गिरा, जिससे शेड के नीचे खड़े लोग दब गए।

गंभीर घायल : 23 वर्षीय नंदनी की हालत नाजुक है; मलबे के साथ गिरे लोहे के एंगल उसके पैर में घुस गए। उसे एम्स के ट्रॉमा ब्लॉक (रेड ट्रायज) में भर्ती किया गया है।

अन्य घायल : मनोज कुमार (56), अभय (52), तनुश्री (17) और सोम प्रकाश (61) सहित 8 लोगों का इलाज जारी है। हादसे में दो बाइक और एक स्कूटर भी चकनाचूर हो गए।

प्रशासन की सुस्ती ने बुलावा दिया हादसे को

हैरानी की बात यह है कि नगर निगम ने जनवरी 2026 और फिर 13 मार्च 2026 को अवैध निर्माण रोकने के नोटिस जारी किए थे। निगम ने 2 अप्रैल को सुनवाई की तारीख भी तय की थी, लेकिन तब तक मौके पर काम नहीं रुकवाया गया। सवाल यह है कि जब निर्माण अवैध था, तो उसे सीज़ (Seal) क्यों नहीं किया गया क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा था।

खुलासा : परमिशन 3 मंजिल की, बन रही थी चौथी

नगर निगम के दस्तावेजों के अनुसार, यह निर्माण पूरी तरह नियमों की धज्जियां उड़ाकर किया जा रहा था

- **कमर्शियल खेल :** रेसिडेंशियल प्लॉट पर अवैध रूप से कमर्शियल निर्माण किया जा रहा था।
- **अतिरिक्त निर्माण :** कंपाउंडिंग के बाद भी केवल 3300 वर्ग फीट की अनुमति थी, जबकि मौके पर 4000 वर्ग फीट से ज्यादा निर्माण हो रहा था।
- **अनदेखी :** ग्राउंड प्लस दो (G+2) की अनुमति के बावजूद चौथी मंजिल की सेंट्रिंग की जा रही थी।

कार्रवाई के नाम पर अब तैयारी

हादसे के बाद नींद से जागे प्रशासन ने अब रेत, सरिया और सामग्री जब्त की है। एसीपी रजनीश कश्यप के अनुसार सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है। वहीं, चीफ सिटी प्लानर नीरज आनंद लिखार ने बताया कि बिल्डिंग परमिशन स्थगित करने और रजिस्टर्ड आर्किटेक्ट का लाइसेंस रद्द करने की तैयारी है। भवन मालिक अनिल सिंह पर भी कड़ी कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

बड़ा सवाल : क्या नोटिस देना ही निगम की अंतिम जिम्मेदारी है अगर समय रहते निर्माण स्थल को सील कर दिया जाता, तो आज 8 लोग अस्पताल के बेड पर न होते।

रामभक्ति से सराबोर होगा सेंचुरियन स्काई परिसर, रामचरितमानस, हवन और भंडारे के साथ मनेगा पंचमुखी हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव

भोपाल। राजधानी के कटारा हिल्स स्थित सेंचुरियन स्काई परिसर में विराजमान श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में 1 और 2 अप्रैल को मंदिर का प्रथम वार्षिकोत्सव एवं हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। दो दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में रामभक्तों के लिए रामचरितमानस पाठ, हवन-पूजन, भंडारा और महाआरती जैसे कई आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ 1 अप्रैल को प्रात: 9 बजे श्री रामचरितमानस पाठ से होगा। भक्तजन भगवान श्रीराम की भक्ति में डूबकर मानस की चौपाइयों और दोहों का श्रवण करेंगे। 2 अप्रैल को प्रात: 10 बजे रामचरितमानस पाठ का समापन किया जाएगा, जिसके पश्चात प्रात: 11 बजे विधि-विधान से हवन-पूजन संपन्न होगा। हवन में क्षेत्र के श्रद्धालु परिवारों की सहभागिता रहेगी और विश्व शांति व कल्याण की कामना की जाएगी। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद सायं 4 बजे से प्रसाद वितरण (भंडारा) का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम का समापन रात्रि 8.30 बजे भव्य महाआरती के साथ होगा, जिसमें पंचमुखी हनुमान जी महाराज की आराधना कर भक्तगण आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालु भक्तों से अपील की है कि वे सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस पुण्य अवसर का लाभ लें और आयोजन को सफल बनाएं।

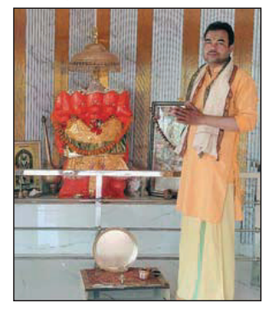

एमपी नगर में बस की टक्कर से युवक की मौत, भंडारा खाकर लौट रहा था घर

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। राजधानी के एमपी नगर क्षेत्र में शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक 26 वर्षीय युवक की जान चली गई। गायत्री मंदिर में भंडारा खाकर घर लौट रहे युवक को एक तेज रफ्तार यात्री बस ने कुचल दिया। हादसे के बाद आरोपी बस चालक वाहन समेत मौके से फरार होने में सफल रहा।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान भीम ठाकुर (26), पिता रमेश ठाकुर के रूप में हुई है। भीम एमपी नगर स्थित गौशाला क्षेत्र का निवासी था और कबाड़ खरीदने-बेचने का काम करता था। घटना शुक्रवार रात करीब 10 बजे की है। भीम ठाकुर गायत्री मंदिर में आयोजित भंडारे में खाना खाने के बाद अपने घर की ओर पैदल लौट रहा था। मंदिर के सामने स्थित मुख्य मार्ग को पार करते समय एक अनियंत्रित यात्री बस ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि भीम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पुलिस कार्रवाई और जांच : हादसे के तुरंत बाद राहगीरों की मदद से घायल को अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने परीक्षण के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। एमपी नगर थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है।

शव परीक्षण : शनिवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस अब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपी बस और उसके चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जा सके।

रामनगर में डकैती की साजिश नाकाम

पत्नी और बच्चे को ढाल बनाकर लूट की फिराक में था शातिर 'लंगड़ा'

शाहजहाँनाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हथियार और मादक पदार्थों के साथ गिरोह के 5 सदस्य दबोचे

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। राजधानी के शाहजहाँनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने डकैती की एक बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए शातिर बदमाश एजाज उर्फ लंगड़ा और उसके गिरोह को गिरफ्तार किया है। आरोपी रामनगर इलाके में डकैती डालने की योजना बना रहे थे। चौंकाने वाली बात यह है कि सरगना एजाज ने पुलिस और जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए अपनी पत्नी और एक नाबालिग बालक को भी इस वारदात में शामिल कर रखा था।

घेराबंदी कर पकड़ा गया गिरोह : पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध बदमाश घातक हथियारों के साथ रामनगर क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए जमा हुए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी उमेश पाल सिंह चौहान ने दो टीमें गठित कीं। उप निरीक्षक माधव सिंह परिहार और शेषनाथ सिंह के नेतृत्व वाली टीमों ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर मौके से पांच लोगों को हिरासत में लिया।

हथियारों का जखीरा और नशा बरामद : तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 5 चाकू, छुरियां, तलवार, लोहे की रॉड, डंडे और टॉर्च बरामद किए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे रामनगर में डकैती डालने की फिराक में थे। इसके अलावा, गिरोह का सरगना एजाज खान अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में भी लिप्त पाया गया। पुलिस ने उसके पास से 599 ग्राम गांजा, 106 ग्राम चरस बरामद की है।

पुलिस की कार्रवाई : पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 163/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 310(4), 310(5) और 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। इस सफलता में आरक्षक चंद्रकांत शर्मा, पुष्पेंद्र सरवईया और विवेक तिवारी सहित पूरी टीम की सराहनीय भूमिका रही।

इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

- **एजाज खान उर्फ लंगड़ा (25 वर्ष) :** गिरोह का सरगना, जिस पर पहले से 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं।
- **आसिया खान (25 वर्ष) :** एजाज की पत्नी, जो वारदात के समय साथ थी।
- **अरबाज खान (21 वर्ष) :** निवासी रायसेन।
- **आशन अली (20 वर्ष) :** निवासी शाहजहाँनाबाद।
- **विधि विरुद्ध बालक :** एक नाबालिग को भी पुलिस ने संरक्षण में लेकर बाल कल्याण अधिकारी की निगरानी में भेजा है।

प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध : गोविंद सिंह राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा इनके वितरण में किसी प्रकार की कमी या बाधा नहीं है। उन्होंने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है, जिससे ईंधन आपूर्ति में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आएगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता की स्थिति सामान्य है और सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोल पंपों पर भी ईंधन की किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा कंपनी के डिपो से पेट्रोल और डीजल की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

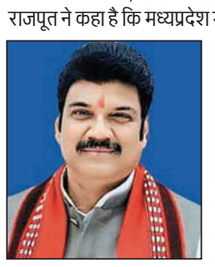

रसोई गैस की उपलब्धता पर्याप्त : मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि एलपीजी बॉटलिंग प्लांटों में पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है।उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं, जिससे किसी भी स्थिति में रसोई गैस की उपलब्धता प्रभावित न हो।

बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विशेष व्यवस्था : प्रदेश में ईंधन की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए सभी सप्लाई लोकेशन को अधिक समय तक संचालित किया जा रहा है, जिससे आपूर्ति को सुचारु बनाए रखते हुए स्थिति को सामान्य रखा जा सके। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। अब तक 2050 स्थानों पर जांच की गई है, जिसमें 2912 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं और 9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई - 100 / 22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- **नवीन आनंद जोशी**, मुख्य कार्यकारी संपादक **श्रीमती रोमा मल्होत्रा**। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।